हरिभूमि

झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि

रोहतक, रविवार, 31 अगस्त 2025

9 निबंध लेखन में स्वीटी व नंदिनी प्रथम

10 गणपति बप्पा से सुख, शांति, समृद्धि की कामना

खबर संक्षेप

खाद्य आपूर्ति राज्य मंत्री नागर शहर में आज

झज्जर। जिला खेल अधिकारी सत्येंद्र कुमार ने बताया कि हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे राष्ट्रीय खेल दिवस के चलते तीन दिवसीय खेल प्रतियोगिता के अंतिम दिन रविवार को साइक्लोथॉन का आयोजन किया जाएगा। जिसमें हरियाणा के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले राज्य मंत्री राजेश नागर शहर के महर्षि दयानंद सरस्वती स्टेडियम से सुबह दस बजे साइक्लोथॉन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे।

खेड़का गुर्जर में पांच गाड़ियों की बैट्रियां चोरी

बहादुरगढ़। ग्रामीण क्षेत्र में भी वाहन और वाहनों के पार्ट्स चोरों के निशाने पर हैं। आए दिन किसी न किसी गांव में वारदात हो रही है। अब गांव खेड़का गुर्जर में पांच गाड़ियों की बैट्रियां चुराने का मामला सामने आया है। इस संबंध में पुलिस को शिकायत दे दी गई है। खेड़का के निवासी प्रवीण का कहना है कि उसने अपनी गाड़ी गोयला मोड़ के निकट पार्क के पास खड़ी की थी। अगली सुबह देखा तो गाड़ी की दो बैट्रियां गायब थी। इसके बाद ग्रामीणों से पूछताछ की तो पता चला कि उसी रात युद्धवीर की गाड़ी से भी दो बैट्री चोरी हुई हैं। वहीं राजेश, मोनू और सोमबीर के ट्रैक्टरों से भी अज्ञात चोर एक एक बैट्री चुरा कर ले गए हैं। इन वारदातों से हमें काफी हानि हुई है और कामकाज भी प्रभावित हो गया है।

अवैध हथियार सहित आरोपी गिरफ्तार

बहादुरगढ़। पुलिस की अपराध जांच शाखा प्रथम ने अवैध हथियार सहित एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी को पूछताछ के बाद जेल भेज दिया गया है। आरोपी पर पहले भी दो आपराधिक केस दर्ज हैं। सीआईए इंचार्ज सुनील कुमार के अनुसार, गुप्त सूचना के आधार पर टीम ने एक आरोपी को कानोंदा में पंजाब खोड़ मोड़ के पास से काबू किया है। आरोपी कीप हचान रतिराम निवासी कंझावला दिल्ली के रूप में हुई। तलाशी ली गई तो उसके पास एक अवैध हथियार में लिा। पिस्तौल में गोली लोड थी। आरोपी के खिलाफ सदर थाने में शस्त्र अधिनियम के तहत केस दर्ज किया गया। आरोपी पर 2023 में दिल्ली पर मोबाइल छीनने के दो मामले दर्ज हैं।

फसलों के पंजीकरण की अंतिम तिथि आज

झज्जर। डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने बताया कि मेरी फसल-मेरा ब्योरा पोर्टल पर खरीफ फसलों का पंजीकरण किया जा रहा है। सरकार द्वारा पंजीकरण के लिए निर्धारित अंतिम तिथि 31 अगस्त है। उन्होंने बताया कि विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने के लिए किसान का पोर्टल पर पंजीकरण होना अनिवार्य है। पोर्टल पर पंजीकृत किसान से ही केवल फसल खरीदी जाएगी।

सिवाना के लाल राकेश ने यूरोप की सबसे ऊंची चोटी माउंट एल्ब्रस पर लहराया तिरंगा

■ अपनी उपलब्धि ऑपरेशन सिंदूर को समर्पित की ■ माउंट एवरेस्ट भी कर चुके फतह

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

क्षेत्र के गांव सिवाना निवासी पर्वतारोही एवरेस्ट विजेता राकेश कादियान यूरोप महाद्वीप की सबसे ऊंची चोटी माउंट एल्ब्रस व पूर्वी छोर पर स्थित माउंट एल्ब्रस पर तिरंगा फहराकर देश का नाम दुनिया में रोशन किया है। उसने अपनी यह उपलब्धि ऑपरेशन सिंदूर को समर्पित की है। राकेश कादियान इससे पहले दुनिया की सबसे ऊंची पर्वत चोटी माउंट एवरेस्ट 8848 मीटर व दुनिया की चौथी सबसे ऊंची चोटी माउंट लोहत्से 8516 मीटर पर तिरंगा फहरा चुके हैं। इन उपलब्धियों के चलते उन्हें देश की बहुत सी संस्थाओं द्वारा सम्मानित भी किया गया। राकेश पहले सेवारत कर्मचारी हैं जिनका नाम उनकी उपलब्धियों की वजह से लंदन बुक ऑफ वर्ल्ड में भी दर्ज हो चुका है। हाल ही उन्हें गौंडा यूपी के शांति फाउंडेशन द्वारा भारत गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया था।

झज्जर। माउंट एलब्रुश पहुंच कर ऑपरेशन सिंदूर का पोस्टर दिखाते हुए राकेश।

24 अगस्त को शुरू किया था अभियान

उन्होंने बताया कि उसने अपने अभियान की शुरुआत 24 अगस्त की सुबह दो बजे बेसकैंप 4000 मीटर से शुरू की और यूरोप के सबसे ऊंचे बिंदु पर सुबह करीब 6 बजे भारतीय तिरंगा फहराया। इसके बाद उन्होंने यूरोप के दूसरे ऊंचे बिंदु पर उसी दिन सुबह करीब 10 बजे तिरंगा लहराकर कीर्तिमान बनाया।

चैंपियन पहलवानों ने सीएम से की मुलाकात

मुख्यमंत्री ने आशीर्वाद देकर भविष्य के लिए दी शुभकामनाएं

बहादुरगढ़। अर्जुन अवॉर्डी कोच धर्मेंद्र दलाल के नेतृत्व में हिन्द केसरी सोनू अखाड़े के अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतने वाले पहलवानों ने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और हरियाणा ओलंपिक संघ के अध्यक्ष मीनू बेनीवाल से मुलाकात की। इस अवसर पर नेता योगेश सिलानी और सतेंद्र रुहिल भी मौजूद रहे। मुलाकात के दौरान योगेश सिलानी और धर्मेंद्र दलाल ने सीएम व ओलंपिक संघ के अध्यक्ष को पहलवानों की उपलब्धियों की जानकारी दी। इस मौके पर वर्ल्ड चैंपियन हरदीप पहलवान, वर्ल्ड मिल्ट्री चैंपियन सुमित दलाल, एशियन चैंपियन अर्जुन रुहिल और एशियन चैंपियन दीक्षा दलाल मौजूद थे। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन करने वाले इन पहलवानों को आशीर्वाद दिया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार खेल और खिलाड़ियों के विकास को प्राथमिकता दे रही है। हर स्तर पर खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। हरियाणा ओलंपिक संघ के अध्यक्ष मीनू बेनीवाल ने भी पहलवानों के प्रदर्शन पर खुशी जताई और कहा कि ये खिलाड़ी न केवल हरियाणा बल्कि पूरे देश का मान बढ़ा रहे हैं

उपायुक्त ने लिया सफाई व्यवस्था का जायजा डंपिंग प्वाइंट से रोज कचरा उठाने के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

जिला उपायुक्त स्वप्निल रविंद्र पाटिल शनिवार को हरियाणा शहर स्वच्छता अभियान के अंतरगत चल रही स्वच्छता गतिविधियों का जायजा लेने बहादुरगढ़ पहुंचे।

■ नियमित सफाई कराने, नालों की दशा सुधारने, तारों को व्यवस्थित कराने के आदेश दिए

उन्होंने डीएमसी डॉ. सुशील कुमार, सीईओ जिला परिषद मनीष कुमार, एसडीएम नसीब कुमार के साथ शहर की सफाई व्यवस्था व जल निकासी व्यवस्था का निरीक्षण किया।डीसी ने बहादुरगढ़ शहर का दौरा करते हुए किसान चौक, जाखोदा गांव के साथ लगता राष्ट्रीय राजमार्ग क्षेत्र, सांखोल, परनाला, छोटूराम नगर, औद्योगिक क्षेत्र, बालोर रोड, बादली रोड, किला मोहल्ला, झज्जर रोड के साथ ही सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट और नया गांव के समीप डंपिंग प्वाइंट का जायजा लिया।

इस दौरान उन्हें कहीं सफाई मिली तो कहीं खामियां नजर आई। डीसी ने कहा कि बहादुरगढ़ औद्योगिक नगरी के रूप में अपनी पहचान रखता है। ऐसे में शहर को स्वच्छ रखना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। कूड़ा डंपिंग प्वाइंट की सफाई प्रतिदिन सुबह होनी चाहिए। इसमें किसी प्रकार कोताही बर्दाश्त नहीं होगी। डीसी ने नप अधिकारियों से पार्कों की सुंदरता बढ़ाने, स्ट्रीट लाईटें चालू हालत में रखने, बिजली के लटकते हुए तारों को ठीक करने, जल निकासी नालों की सफाई निरंतर करने, अवैध होर्डिंग को हटाने के आदेश भी दिए।

बहादुरगढ़। सफाई व्यवस्था का जायजा लेने पहुंचे उपायुक्त स्वप्निल रविंद्र।

शहरवासियों से सहयोग करने का किया आह्वान

डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने आम नागरिकों से भी सहयोग का आह्वान किया। नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि रमेश राठी, पूर्व चेयरमैन कर्मवीर राठी, पीडब्ल्यूडी के कार्यकारी अभियंता अनिल रोहिल्ला, बिजली निगम के एक्सईएन प्रदीप कुमार, जनस्वास्थ्य विभाग से अमन मोर, सिंचाई विभाग से ईशान सिवाच, डीआईपीआरओ सतीश कुमार, बीडीपीओ सुरेंद्र खत्री सहित अन्य अधिकारी व पार्षद इस दौरान मौजूद रहे।

झज्जर में किया निरीक्षण

झज्जर। शनिवार सुबह डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने शहर के बीकानेर चौक, अंबेडकर चौक, खेल स्टेडियम, शहीद भगत सिंह चौक, रेडक्रॉस परिसर, बिजली निगम परिसर, लघु सचिवालय परिसर सहित शहर के कई क्षेत्रों का निरीक्षण करते हुए अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए। उन्होंने हरियाणा शहर स्वच्छता अभियान के तहत युद्ध स्तर पर चल रहे स्वच्छता व साफ सफाई कार्य और पानी निकासी को दुरुस्त करने के कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि दुकानों से प्रतिदिन निकलने वाले कचरे को सही स्थान पर डालने और वाहनों की पार्किंग सही जगह पर करने के निर्देश दिए ताकि जाम स्थिति नहीं बने। उन्होंने नप अधिकारियों को निर्देश दिए कि सफाई व्यवस्था नियमित रूप से दुरुस्त होनी चाहिए। कचरा प्वाइंटों पर कहीं भी गंदगी नजर नहीं आनी चाहिए और जहां भी पानी की निकासी अवरुद्ध है, उसको दुरुस्त किया जाए।

घर में घुसकर जानलेवा हमला करने मामले में चार आरोपी गिरफ्तार

झज्जर। पकड़े गए आरोपी पुलिस टीम के साथ।

झज्जर। क्षेत्र के गांव रेढ़ूवास स्थित मकान में घुसकर जानलेवा हमला करने मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस की एक टीम द्वारा चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस चौकी मातनहेल प्रभारी सत्यवीर ने बताया कि मंजीत निवासी रेढ़ूवास की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया था। मामले में गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने नाकाबंदी करके वारदात में प्रयोग गाड़ी व गाड़ी में सवार चार युवकों को पकड़ा गया। प्राथमिक जांच में सामने आया कि यह सभी युवक वारदात में शामिल थे। पकड़े गए आरोपियों से वारदात में प्रयोग गाड़ी, चार मोबाइल और वारदात में प्रयोग डंडा बरामद किया गया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान सचिन निवासी नौगांवा, आशु व दिनेश निवासी मातनहेल और योगेश निवासी छुछकवास के तौर पर की गई है। आरोपियों के खिलाफ नियमानुसार कार्यवाई करते हुए स्थानीय अदालत में पेश किया गया। जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

गाड़ी चोरी करने के आरोप में चार गिरफ्तार, अदालत ने जेल भेजा

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

सदर थाना पुलिस ने गाड़ी चोरी के मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों से चोरीशुदा गाड़ी भी बरामद की गई है। थाना प्रबंधक निरीक्षक दिलबाग के अनुसार, कुलासी निवासी जसवीर ने शिकायत दर्ज कराई थी कि रात में घर के पास खड़ी उसकी गाड़ी सुबह गायब मिली। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम ने जांच शुरू की। गुप्त सूचना के आधार पर बहादुरगढ़ बाईपास स्थित बालौर चौक फ्लाईओवर के पास से चार युवकों को काबू किया गया।

आरोपियों के कब्जे से वाहन बरामद

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सौरव निवासी रिठाल रोहतक हाल दिल्ली, सागर निवासी कानोंदा, ध्रुव निवासी कंझावला दिल्ली और विजय निवासी कानोंदा के रूप में हुई है। आरोपियों ने वारदात कुबूल कर ली। उनके कब्जे से गाड़ी भी बरामद कर ली गई। आरोपियों को कोर्ट में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

मुंगेशपुर ड्रेन ओवरफ्लो होने से लोग परेशान

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

मुंगेशपुर ड्रेन ओवरफ्लो होने से परनाला गांव, छोटूराम नगर के वार्ड 9 व 10 के कई हिस्सों में पानी भरने लगा है। इससे जहां किसानों की फसल को नुकसान हुआ है, वहीं कॉलोनियों में भरे पानी से स्थानीय निवासियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। आवागमन मुश्किल हो गया है और मच्छरों के पनपने से बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है। जिससे लोग परेशान हो रहे है।

बहादुरगढ़। छोटूराम नगर में हुआ जलभराव दिखाते स्थानीय निवासी।

पार्षद ने लिया जायजा

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए वार्ड-9 के इनेलो पार्षद जितेंद्र राठी मौके पर पहुंचे और जलभराव की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने प्रशासन से तुरंत पानी निकासी करवाने की मांग की। राठी ने कहा कि यह समस्या हर साल दोहराई जाती है। राठी ने बताया कि वे पहले भी अपने निजी खर्च से पंप सेट और मशीन लगवाकर पानी की निकासी करवा चुके हैं। स्थाई समाधान के बिना यह परेशानी खत्म नहीं होगी।

बदहाल सड़कों के गड्ढे भरने में हो रही खानापूर्ति

■ बहादुरगढ़ में नेशनल हाइवे की सर्विस लेन से लेकर गांवों के रास्तों तक, हर जगह गड्ढों का बोलबाला

■ झज्जर रोड, बादली रोड समेत कई मार्गों पर हालात इतने खराब, रोज फंस रहे वाहन

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

इलाके की सड़कों की हालत बद से बदतर हो चुकी है। मरम्मत अथवा सुध लेने के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति की जा रही है। कभी गड्ढों को रोड़े डालकर भरा जाता है तो कभी सतह खुरच दी जाती है, जिससे कुछ ही दिनों में सड़कें फिर से खतरनाक हालात में पहुंच जाती हैं। खानापूर्ति भरा यह काम लोगों के लिए परेशानी का सबब बन गया है। बहादुरगढ़ में नेशनल हाइवे की सर्विस लेन से लेकर गांवों के रास्तों तक, हर जगह गड्ढों का बोलबाला है। झज्जर रोड, बादली रोड समेत कई मार्गों पर हालात इतने खराब रहते हैं कि आए दिन वाहन फंस जाते हैं। लोग आवाज उठाते हैं तो औपचारिकता के नाम पर गड्ढों में रोड़े तथा मलबा डाल दिया जाता है।

बहादुरगढ़। सूरजमल वाली गली के पास रोहतक रोड की खुरची जा रही सतह।

लोग बोले -बस सुधार के नाम पर किया जा रहा दिखावा

यह खानापूर्ति चार दिन भी रोड पर नहीं टिक पाती और फिर से गंभीर हालात हो जाते हैं। दोपहिया वाहन चालक सबसे ज्यादा परेशानी झेल रहे हैं, क्योंकि सड़क पर बिखरे रोड़े और मलबा स्लिप या उछलकर हादसों का कारण बन रहे हैं। पुनीत, रिंकू छिकारा ने कहा कि वर्षों से लोग इस समस्या से जूझ रहे हैं लेकिन सुधार के नाम पर सिर्फ दिखावा किया जाता है। मरम्मत में खानापूर्ति होती है। हैरानी भरी बात ये कि नई सड़कें भी सप्ताहभर बाद दम तोड़ जाती हैं। अधिकारी कहते हैं कि बरसात के बाद मरम्मत की जाएगी, लेकिन बारिश से पहले ही सड़कें दुरुस्त की जानी चाहिए ताकि हादसों से बचाव हो सके।

ट्रेडिंग व प्रॉफिट के नाम पर मेडिकल ऑफिसर से 5.35 लाख की ठगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

साइबर ठगी के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। पढ़े लिखे लोग भी प्रोफिट की चाह में शातिरों के चंगुल में फंस रहे हैं। इलाके में एक सरकारी चिकित्सक के साथ भी ऐसी ही वारदात हुई है। शातिरों ने उसको पांच लाख 35 हजार 226 रुपये की चपत लगा दी। साइबर थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।पीड़ित झज्जर जिले के गांव डाबोदा का रहने वाला है और स्वास्थ्य विभाग में मेडिकल ऑफिसर है। इन दिनों जिले के एक अस्पताल में वह कार्यरत है। पीड़ित का कहना है कि वह कुछ समय से टेलीग्राम पर दो चैनलों से जुड़े हैं। दोनों चैनल ट्रेडिंग संबंधित हैं। चैनल पर शेयर मार्केट में प्रोफिट संबंधित कई पोस्ट देखीं। इसके बाद 14 अगस्त को उन्होंने ग्रुपों में आए लिंक पर क्लिक की तो व्हाट्सएप पर कुछ लोगों से बातचीत शुरू हुई। फिर उन्होंने एक नंबर दिया। बातचीत में शातिरों ने ट्रेडिंग करने और प्रोफिट कमाने की जानकारी देते हुए कहा कि आपको अलग अलग खातों में रुपये डालने होंगे।

पैसे वापस मांगने पर देने से इनकार

मैंने उनके द्वारा दिए गए खातों में रुपये डालने शुरू किए। लेकिन जब वापस मांगे तो नहीं मिले। इसके बाद कभी जीएसटी तो कभी वेरिफिकेशन तो कभी अन्य कारण से रुपये मांगते रहे। इस तरह से दो दिन में सात बार करके उन्होंने मुझसे पांच लाख 35 हजार 226 रुपये मंगवा लिए। जब तक वह माजरा समझ पाते, देर हो चुकी थी। फिर उन्होंने ऑनलाइन शिकायत दी। अब केस दर्ज हो पाया है। उधर, पुलिस ने लोगों को जागरूक रहने की सलाह दी है। वहीं, साइबर एक्सपर्ट का कहना है कि इंटरनेट पर इस तरह से किसी पर विश्वास न करें। यदि ट्रेडिंग आदि करनी है तो पहले कहीं विश्वसनीय जगह पर सीखें और फिर कोई कदम आगे बढ़ाएं।

चार्ट देखकर भी बताया जा सकता है बाजार का हाल

■ स्टॉक मार्केट में कैंडल का विज्ञान भी दे सकता है बड़ा ज्ञान ■ कैंडलस्टिक चार्ट तकनीकी विश्लेषण का अहम सबसे हिस्सा ■ खरीदार और विक्रेता की मनोवैज्ञानिक लड़ाई का होता है खुलासा ■ कीमतों पर कैसे असर डालती है, चार्ट से ही भविष्यवाणी संभव

बिजनेस डेस्क

स्टॉक मार्केट में कैंडलस्टिक चार्ट तकनीकी विश्लेषण का अहम हिस्सा होता है। यह बताता है कि खरीदार और विक्रेता की मनोवैज्ञानिक लड़ाई कीमतों पर कैसे असर डालती है। इससे बाजार की भविष्यवाणी की जा सकती है और निवेशकों को भी प्लानिंग बनाने में मदद मिलती है। स्टॉक मार्केट में कैंडलस्टिक चार्ट एक खास तरीका है, जिससे निवेशक और ट्रेडर यह समझने की कोशिश करते हैं कि शेयर की कीमत आगे किस दिशा में जाएगी। यह चार्ट हमें एक समय में शेयर के खुलने (ओपन), बंद होने (क्लोज), सबसे ऊपर (हाई) और सबसे नीचे (लो) जाने वाली कीमत दिखाता है। हर एक कैंडल बताता है कि उस समय कितनी तेजी या कमजोरी थी. लेकिन क्या सिर्फ ये कैंडल देखकर पता चल जाता है कि शेयर के साथ आगे क्या होगा? इस रिपोर्ट में हम आपको बताने जा रहे हैं कि कैंडलस्टिक चार्ट से क्या प्रभाव पड़ता है और इससे खरीदार और विक्रेता पर क्या असर होता है।

क्या है कैंडलस्टिक चार्ट

स्टॉक मार्केट में कैंडलस्टिक चार्ट उस समयावधि में किसी शेयर या एसेट के ओपनिंग, क्लोजिंग, हाई और लो प्राइस को दिखाता है। हर 'कैंडल' एक समय की कहानी कहती है। हरे या सफेद कैंडल का मतलब है कि कीमत बढ़ी, जबकि लाल या काले कैंडल का मतलब कीमत गिरी। कैंडल का मोटा हिस्सा बॉडी कहलाता है, जो ओपनिंग और क्लोजिंग प्राइस का फर्क बताता है, जबकि पतली लाइनें (विक्स/शैडो) दिन के हाई और लो प्राइस को दिखाती हैं।

कैंडल का इतिहास और विज्ञान

कैंडलस्टिक चार्ट की शुरुआत 18वीं सदी में जापान में हुई थी। वहां चावल व्यापारी इसे इस्तेमाल कर मार्केट का मूड समझते थे। दरअसल, कैंडल का विज्ञान मांग और आपूर्ति की मनोविज्ञान पर आधारित है। खरीदार (बुल्स) और विक्रेता (बेयर्स) की खींचतान चार्ट पर पैटर्न के रूप में दिखती है। यही पैटर्न बार-बार दोहराने पर एक तरह का संकेत बनाते हैं, जो आने वाले रुझान (ट्रेंड) का अंदाजा देने में मदद करता है।

आम कैंडलस्टिक पैटर्न्स

कैंडल पैटर्न कई तरह के होते हैं, लेकिन कुछ खास पैटर्न सबसे ज्यादा उपयोगी माने जाते हैं। इनमें हैमर - डाउनट्रेंड के बाद बनता है और बताता है कि अब मार्केट ऊपर जा सकता है। वहीं, हैंगिंग मैन अपट्रेंड के टॉप पर बनता है और बेचने का संकेत देता है। इसके अलावा शूटिंग स्टार ऊपर जाते हुए मार्केट में बनता है और गिरावट का अलर्ट देता है। बेयरिश एंगल्फिंग छोटी हरी कैंडल को बड़ी लाल कैंडल ढक लेती है, इसका मतलब है कि बिकवाली हावी है। वहीं, राइजिंग/फॉलिंग थ्री यह पैटर्न बताता है कि चल रहा ट्रेंड और कुछ समय जारी रहेगा।

कैंडल सच में भविष्य बता सकती है?

कई रिसर्च और ट्रेडिंग स्टडीज में पाया गया है कि कैंडलस्टिक पैटर्न्स की सटीकता 100% सही तो नहीं, लेकिन कुछ हद तक सही हो सकती है। यानी यह निश्चित भविष्यवाणी नहीं करते, लेकिन प्रॉबेबिलिटी (संभावना) दिखाते हैं। हालांकि, यह तब ज्यादा असरदार होते हैं जब मार्केट ट्रेंडिंग या वोलैटाइल हो।

मार्केट कॉन्टेक्स्ट की अहमियत

कैंडल अकेले ही भविष्यवाणी का पूरा आधार नहीं हो सकता। अगर मार्केट साइडवेज या बहुत शांत है, तो पैटर्न्स गलत सिग्नल भी दे सकते हैं। इसलिए प्रोफेशनल ट्रेडर्स कैंडल्स को वॉल्यूम, मूविंग एवरेज, सपोर्ट-रेसिस्टेंस लेवल और अन्य टेक्निकल इंडिकेटर्स के साथ मिलाकर देखते हैं। इससे गलतियों का खतरा कम होता है।

सीमाएं और सावधानियां

कैंडलस्टिक एनालिसिस के बावजूद कुछ सीमाएं हमेशा रहेंगी। जैसे- यह सिर्फ संभावनाएं बताता है, गारंटी नहीं देता। मैक्रो फैक्टर्स, कंपनी न्यूज और ग्लोबल घटनाएं कभी भी पैटर्न्स को तोड़ सकती हैं। यह ज्यादा शॉर्ट-टर्म फोकस्ड है, लॉन्ग-टर्म निवेशक के लिए उतना उपयोगी नहीं। मशीन लर्निंग मॉडल ओवरफिटिंग का शिकार हो सकते हैं, यानी गलत सिग्नल भी दे सकते हैं।

लार्ज एंड मिडकैप फंड्स भी बना सकते हैं आर्थिक रूप से चैंपियन

लार्ज एंड मिडकैप फंड्स भी बना सकते हैं आर्थिक रूप से चैंपियन

एसबीआई, निप्पोन, आईसीआईसीआई और एचडीएफसी की स्कीम्स में कड़ा मुकाबला

20 साल के रिटर्न में एसबीआई एमएफ नंबर वन निप्पॉन, एचडीएफसी व टाटा के फंड भी टॉप 5 में

बिजनेस डेस्क

लार्ज एंड मिड कैप फंड्स कैटेगरी में 25 साल से भी पुरानी स्कीम्स के बीच ऊंचा रिटर्न देने के मामले में कड़ा मुकाबला रहा है। कैटेगरी की सबसे पुरानी स्कीम्स की इस होड़ में एसबीआई, निप्पॉन इंडिया, टाटा, आईसीआईसीआई प्रू और एचडीएफसी म्यूचुअल फंड जैसे दिग्गज फंड हाउस की स्कीमें शामिल हैं, जो निवेशकों को ऊंचा रिटर्न देती रही हैं। 20 साल के रिटर्न में एसबीआई म्यूचुअल फंड की स्कीम सबसे आगे है, तो 30 साल के रिटर्न में निप्पॉन इंडिया की स्कीम ने कमाल दिखाया है। दरअसल, इस कैटेगरी की सबसे पुरानी टॉप 5 स्कीम्स को लॉन्च हुए 27 साल से लेकर 32 साल तक हो चुके हैं। इनमें सबसे पुरानी स्कीम टाटा लार्ज एंड मिड कैप फंड है, जिसे लॉन्च हुए 32 साल से भी ज्यादा हो चुके हैं। इस फंड ने इस दौरान 1 लाख रुपये के निवेश को 1.3 करोड़ रुपये में तब्दील करके दिखाया है। वहीं, निप्पॉन इंडिया विजन लार्ज एंड मिड कैप फंड ने करीब 30 साल में निवेशकों के 1 लाख रुपये को 1.45 करोड़ रुपये में बदलकर लॉन्च से अब तक सबसे ज्यादा रिटर्न दिया है। इनके अलावा एचडीएफसी म्यूचुअल फंड, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड और टाटा म्यूचुअल फंड की स्कीम्स भी बेस्ट 5 में शामिल हैं।

5 सबसे पुराने लार्ज एंड मिड कैप फंड्स का ट्रैक रिकॉर्ड : सबसे पुराने लार्ज एंड मिड कैप फंड्स के लॉन्च से अब तक के ट्रैक रिकॉर्ड के साथ ही हमने टॉप 5 स्कीम के पिछले 20 साल के रिटर्न के आंकड़े भी दिए हैं और इन्हें इसी हिसाब से अरेंज भी किया है, ताकि इनकी आपस में तुलना करना आसान हो जाए। 20 साल के इन आंकड़ों में एसबीआई म्यूचुअल फंड का लार्ज एंड मिड कैप फंड सबसे आगे है, जिसने इतने समय में निवेशकों की दौलत को 20 गुना कर दिया है।

एसबीआई लार्ज एंड मिड कैप फंड - रेगुलर प्लान

- फंड उम्र : 32 साल से ज्यादा
- लॉन्च की तारीख : 28 फरवरी 1993, एक्सपेंस रेशियो (रेगुलर प्लान) : 1.58%
- लॉन्च से 31 जुलाई 2025 तक सालाना रिटर्न (सीएजीआर): 14.98%
- लॉन्च के वक्त 1 लाख रुपये के निवेश की मौजूदा फंड वैल्यू : 92,73,050 (92.73 लाख)
- पिछले 20 साल का एवरेज सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 16.35%
- 1 लाख रुपये के निवेश की 20 साल में फंड वैल्यू : 20,66,939.44 (20.67 लाख)
- एसेट अंडर मैनेजमेंट : 33,361.81 करोड़ रुपये (31 जुलाई 2025 को)

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लार्ज एंड मिड कैप फंड-रेगुलर प्लान

- फंड की उम्र : 27 साल से ज्यादा
- लॉन्च की तारीख : 9 जुलाई 1998, एक्सपेंस रेशियो (रेगुलर प्लान) : 1.65%
- लॉन्च से 31 जुलाई 2025 तक सालाना रिटर्न (सीएजीआर): 18.46%
- लॉन्च के वक्त 1 लाख रुपये के निवेश की मौजूदा फंड वैल्यू : 98,25,500 रुपये
- पिछले 20 साल का एवरेज सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 15.63%
- 1 लाख रुपये के निवेश की 20 साल में फंड वैल्यू : 18,25,620.54 (18.26 लाख) रुपये
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 23,137.39 करोड़ रुपये (31 जुलाई 2025 को)

टाटा लार्ज एंड मिड कैप फंड - रेगुलर प्लान

- फंड की उम्र : 32 साल से ज्यादा
- लॉन्च की तारीख : 25 फरवरी 1993, एक्सपेंस रेशियो (रेगुलर प्लान) : 1.74%
- लॉन्च से 31 जुलाई 2025 तक सालाना रिटर्न (सीएजीआर): 16.42%
- लॉन्च के वक्त 1 लाख रुपये के निवेश की मौजूदा फंड वैल्यू : 1,29,68,299.69 (1.3 करोड़)
- पिछले 20 साल का एवरेज सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 14.25%
- 1 लाख रुपये के निवेश की 20 साल में फंड वैल्यू : 14,35,899.93 (14.36 लाख) रुपये
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 8773 करोड़ रुपये (31 जुलाई 2025 को)

निप्पॉन इंडिया विजन लार्ज एंड मिड कैप फंड - रेगुलर प्लान

- फंड की उम्र : करीब 30 साल
- लॉन्च की तारीख : 8 अक्टूबर 1995, एक्सपेंस रेशियो (रेगुलर प्लान) : 1.92%
- लॉन्च से 31 जुलाई 2025 तक सालाना रिटर्न (सीएजीआर): 18.16%
- लॉन्च के वक्त 1 लाख रुपये के निवेश की मौजूदा फंड वैल्यू : 1,45,20,120 (1.45 करोड़)
- पिछले 20 साल का एवरेज सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 14.13%
- 1 लाख रुपये के निवेश की 20 साल में फंड वैल्यू : 14,06,035.69 (14.06 लाख)
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 6,173.85 करोड़ रुपये (31 जुलाई 2025 को)

लार्ज एंड मिड कैप फंड क्यों खास

लार्जकैप एंड मिडकैप म्यूचुअल फंड के पोर्टफोलियो में लार्ज कैप कंपनियों के साथ ही साथ मिडकैप कंपनियों के स्टॉक्स भी शामिल होते हैं। सेबी के नियमों के तहत इनमें कम से कम 35% स्टॉक्स लार्ज कैप कंपनियों के और इतने ही शेयर मिड कैप कंपनियों के होने चाहिए। लार्जकैप स्टॉक्स में बाजार के उतार चढ़ाव के दौरान ज्यादा स्टेबल रिटर्न देने की क्षमता होती है। इन्हें मिड कैप और स्मॉल कैप के मुकाबले कम रिस्की माना जाता है। वहीं, मिडकैप स्टॉक्स बाजार की रैली में हाई रिटर्न दे सकते हैं। लार्ज एंड मिडकैप फंड के पोर्टफोलियों में शामिल स्टॉक्स मार्केट कैप के लिहाज से बाजार की टॉप 250 कंपनियों में से चुने जाते हैं। इनमें टॉप 100 कंपनियां लार्जकैप में आती हैं, जबकि अगली 150 कंपनियां मिडकैप में आती हैं। अपनी खास निवेश रणनीति के कारण लार्जकैप एंड मिडकैप फंड, एक ही स्कीम में दोनों तरह के स्टॉक्स में निवेश का फायदा देने की क्षमता रखते हैं।

कौन कर सकता है इनमें निवेश

जो निवेशक इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में पैसे लगाकर हाई रिटर्न पाना चाहते हैं, उनके लिए लार्ज एंड मिड कैप कैटेगरी की ये पुरानी और आजमाई हुई स्कीम्स अच्छा ऑप्शन हो सकती हैं, लेकिन निवेश के बारे में फैसला करने से पहले इस बात को ध्यान में रखना चाहिए कि इक्विटी म्यूचुअल फंड के साथ मार्केट रिस्क जुड़ा रहता है और पिछले रिटर्न के भविष्य में जारी रहने की गारंटी नहीं होती। इसलिए अपनी रिस्क उठाने की क्षमता को समझने के बाद ही फैसला करना चाहिए।

डाक विभाग अब बेचेगा म्यूचुअल फंड

लोग पोस्ट ऑफिस के जरिए कर सकेंगे निवेश, ग्रामीण क्षेत्रों को होगा बड़ा फायदा

तैयारी
बिजनेस डेस्क

भारतीय म्यूचुअल फंड उद्योग को बढ़ावा देने के लिए एक बड़ी पहल की जा रही है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) इंडिया पोस्ट के साथ मिलकर काम कर रहा है। इसका लक्ष्य है कि लगभग एक लाख पोस्टमैन को म्यूचुअल फंड वितरक के रूप में प्रशिक्षित किया जाए। इससे निवेशकों की संख्या को दोगुना करने में मदद मिलेगी। वहीं, दूसरी ओर डाक विभाग और एएमएफआई ने एक बड़ा फैसला लिया है। अब पोस्ट ऑफिस के जरिए म्यूचुअल फंड भी बेचे जाएंगे। इससे ज्यादा से ज्यादा लोगों तक वित्तीय सेवाएं पहुंच सकेंगी। इसके लिए डाक विभाग और एएमएफआई के बीच एक समझौता हुआ है। यह समझौता 22 अगस्त 2025 से शुरू होकर 21 अगस्त 2028 तक तीन साल के लिए है। इसे आगे भी बढ़ाया जा सकता है। इस समझौते के बाद, इंडिया पोस्ट म्यूचुअल फंड में निवेश करने में लोगों की मदद करेगा। खासकर, इसका फायदा गांवों और छोटे शहरों में रहने वाले लोगों को मिलेगा।

म्यूचुअल फंड में निवेश का फायदा अब गांव में भी मिलेगा

इसके लिए एक लाख पोस्टमैन को ट्रेनिंग दी जाएगी

क्या है समझौते का मकसद?

संचार मंत्रालय के अनुसार, इस पहल का मकसद म्यूचुअल फंड को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाना है। पोस्ट ऑफिस पर लोगों का भरोसा है और इसकी पहुंच भी देश के कोने-कोने तक है। इस समझौते के तहत, डाक विभाग के कर्मचारी म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर के तौर पर काम करेंगे। इससे छोटे शहरों और गांवों में म्यूचुअल फंड की जानकारी ज्यादा लोगों तक पहुंचेगी। इन इलाकों में अभी तक लोगों को वित्तीय उत्पादों के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है।

पहले 4 राज्यों में दी जाएगी ट्रेनिंग

एएमएफआई के मुख्य कार्यकारी वेंकट एन चलासानी ने बताया कि उन्होंने चार राज्यों को चुना है। ये राज्य हैं बिहार, आंध्र प्रदेश, ओडिशा और मेघालय। इन राज्यों में कॉलेज के छात्रों को ट्रेनिंग दी जाएगी। एएमएफआई का लक्ष्य है कि पहले साल में इन चार राज्यों में लगभग 20,000 नए म्यूचुअल फंड वितरक तैयार किए जाएं।

एसआईपी के माध्यम से बढ़ी संख्या

हर साल लगभग 30,000 नए वितरक म्यूचुअल फंड उद्योग में शामिल होते हैं। लेकिन, शुद्ध रूप से लगभग 10,000 ही टिक पाते हैं। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के आने से नए म्यूचुअल फंड निवेशकों की संख्या में वृद्धि हुई है। खासकर SIP (सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान) के माध्यम से निवेश करने वालों की संख्या बढ़ी है। छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों में म्यूचुअल फंड की पहुंच बढ़ाने के लिए नए वितरक बहुत महत्वपूर्ण हैं।

गांव-गांव पहुंचेगी सुविधा

पोस्ट ऑफिस के जरिए म्यूचुअल फंड बेचने से गांवों और छोटे शहरों के लोगों को निवेश करने का एक नया मौका मिलेगा। उन्हें अब म्यूचुअल फंड खरीदने के लिए शहरों में नहीं जाना पड़ेगा। पोस्ट ऑफिस में जाकर वे आसानी से निवेश कर सकते हैं।

पोस्ट ऑफिस के जरिए म्यूचुअल फंड के लाभ

- **ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंच:** पोस्ट ऑफिस की व्यापक पहुंच के कारण, ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोग अब आसानी से म्यूचुअल फंड में निवेश कर सकेंगे।
- **वित्तीय साक्षरता:** पोस्ट ऑफिस के कर्मचारी म्यूचुअल फंड के बारे में जानकारी प्रदान करेंगे और निवेश प्रक्रिया में मदद करेंगे, जिससे वित्तीय साक्षरता बढ़ेगी।
- **निवेश के अवसर:** पोस्ट ऑफिस के जरिए म्यूचुअल फंड में निवेश करने से लोगों को अपने वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने के नए अवसर मिलेंगे।

तीन साल का समझौता

- डाक विभाग और एएमएफआई के बीच तीन साल का समझौता हुआ है, जिसके तहत एक लाख पोस्टमैन को म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर के रूप में प्रशिक्षित किया जाएगा। पोस्ट ऑफिस के कर्मचारियों को म्यूचुअल फंड के बारे में प्रशिक्षण दिया जाएगा और वे निवेशकों को समर्थन प्रदान करेंगे। इस पहल से गांवों और छोटे शहरों में म्यूचुअल फंड की पहुंच बढ़ने की संभावना है, जिससे लोगों को अपने वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद मिलेगी।

पैसा कमाने के लिए खास हैं 444 दिन, एसबीआई समेत कई बैंक दे रहे एफडी पर जबरदस्त ब्याज

अगर आप एफडी में निवेश पर अच्छा रिटर्न तलाश कर रहे हैं तो बैंकों की 444 दिन की स्पेशल स्कीम बेहतर ऑप्शन हो सकती हैं। कई बैंक यह स्कीम दे रहे हैं।

अगर आप भी सुरक्षित निवेश करना चाहते हैं तो बैंक एफडी आपके लिए बेहतर ऑप्शन है। इसमें ब्याज भले की कम मिले, लेकिन आपकी पैसा सुरक्षित रहता है। रेपो रेट में कमी होने के बाद भी कई बैंक फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) पर जबरदस्त रिटर्न दे रहे हैं। वहीं बैंक कुछ खास समय के लिए भी एफडी स्कीम लेकर आए हैं। इनमें 444 दिन की स्पेशल एफडी भी शामिल है। एसबीआई, केनरा और इंडियन बैंक समेत कई बैंक 444 दिन की स्पेशल एफडी पर आम नागरिकों, सीनियर सिटीजन और सुपर सीनियर सिटीजन को अच्छा ब्याज दे रहे हैं।

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया

एसबीआई की 444 दिन की स्पेशल एफडी का नाम 'अमृत वृष्टि' है। यह बैंक आम लोगों को 6.60% ब्याज दे रहा है। सीनियर सिटीजन को 7.10% और सुपर सीनियर सिटीजन को 7.20% ब्याज मिलेगा। अगर आप एसबीआई की अमृत वृष्टि एफडी में 1 लाख रुपये लगाते हैं, तो आपको करीब 1,08,288 रुपये मिलेंगे। इसमें ब्याज के रूप में 8,288 रुपये मिलेंगे।

इंडियन बैंक

इंडियन बैंक अपनी 444 दिन की स्पेशल एफडी स्कीम (इंड सिक्योर प्रोडक्ट) पर आम नागरिकों को 6.70% ब्याज दे रहा है। सीनियर सिटीजन को 7.20% और सुपर सीनियर सिटीजन को 7.45% ब्याज मिलेगा। इंड सिक्योर प्रोडक्ट एफडी में 1 लाख रुपये लगाने पर आपको लगभग 1,08,418.26 रुपये मिलेंगे। इसमें ब्याज के रूप में 8,418.26 रुपये मिलेंगे।

बैंक ऑफ बड़ौदा

बैंक ऑफ बड़ौदा की बीओबी स्क्वायर ड्राइव डिपॉजिट स्कीम (444 दिन) में 6.60% ब्याज मिल रहा है। सीनियर सिटीजन को 7.10% और सुपर सीनियर सिटीजन को 7.20% ब्याज मिलेगा। आप बीओबी स्क्वायर ड्राइव डिपॉजिट स्कीम में 1 लाख लगाते हैं, तो लगभग 1,08,288.61 मिलेंगे। ब्याज के 8,288.61 मिलेंगे।

आईडीबीआई बैंक

आईडीबीआई बैंक 444 दिन की उत्सव एफडी स्पेशल डिपॉजिट स्कीम पर आम नागरिकों को 6.70% ब्याज व सीनियर सिटीजन को 7.20% व सुपर सीनियर सिटीजन को 7.35% ब्याज दे रहा है। यह दरें 30 सितंबर, 2025 तक ही लागू हैं। उत्सव एफडी में 1 लाख लगाने पर 1,08,418.26 मिलेंगे। ब्याज 8,418.26 होगा।

केनरा बैंक

केनरा बैंक 444 दिन की एफडी पर आम नागरिकों को 6.50% ब्याज दे रहा है। सीनियर सिटीजन को 7% ब्याज मिलेगा। एफडी में 1 लाख लगाने पर 1,08,159.08 रुपये मिलेंगे।

एनपीएस के 7 इक्विटी प्लान्स 5 साल या उससे ज्यादा पुराने

सभी स्कीम्स ने एसआईपी पर निवेशकों को मोटा मुनाफा कराया

एनपीएस के कुछ खास इक्विटी प्लान ने 5 साल में 20% तक दिया एनुअल रिटर्न, पांच साल में लंपसम और एसआईपी दोनों पर ही अच्छा रिटर्न दिया

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) की टियर 1 स्कीम में निवेश करने वालों के पैसे जिन इक्विटी प्लान्स में लगाए जाते हैं, उनमें से 7 को शुरू हुए 5 साल या उससे ज्यादा समय हो चुका है। इन सभी इक्विटी प्लान्स ने पिछले 5 साल में अपने निवेशकों को शानदार रिटर्न दिए हैं। इनमें से टॉप 5 फंड्स का 5 साल का एनुअल रिटर्न करीब 19 फीसदी से 20 फीसदी तक रहा है। इस हिसाब से 1 लाख रुपये के एकमुश्त निवेश की मौजूदा फंड वैल्यू करीब 2.5 लाख रुपये तक होगी। 5 साल पूरे करने वाले बाकी 2 इक्विटी फंड्स का प्रदर्शन भी आकर्षक है। एनपीएस सरकार द्वारा प्रमोट की गई एक बाजार आधारित पेंशन स्कीम है, जिसका मकसद निवेशकों को रिटायरमेंट के बाद रेगुलर इनकम और आर्थिक सुरक्षा मुहैया कराना है। 5 साल पूरा करने वाले एनपीएस के सभी इक्विटी प्लान्स ने सिस्टमैटिक इनवेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिये निवेश करने वालों को भी मिनिमम 13.52% से लेकर मैक्सिमम 16.53% तक एन्युलाइज्ड रिटर्न दिए हैं। जिन्हें काफी आकर्षक कहा जा सकता है। इनमें हर महीने 5000 रुपये एसआईपी करने वाले निवेशकों की मौजूदा फंड वैल्यू 4.20 लाख रुपये से लेकर 4.5 लाख रुपये तक रही है. जबकि 5 साल में उनका कुल एसआईपी इनवेस्टमेंट 3 लाख रुपये रहा होगा।

टॉप 5 फंड्स का 5 साल का एनुअल रिटर्न 19 से 20% तक रहा

यूटीआई पेंशन फंड

- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 5 साल का एनुअल रिटर्न (सीएजीआर) : 20.07%
- मंथली एसआईपी पर पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 16.37 %
- 5000 रुपये मंथली एसआईपी की 5 साल में फंड वैल्यू : 450,425 रुपये
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 4677 करोड़

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल पेंशन फंड

- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 5 साल का एनुअल रिटर्न (सीएजीआर) : 19.90%
- मंथली एसआईपी पर पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 15.93 %
- 5000 रुपये मंथली एसआईपी की 5 साल में फंड वैल्यू : 445,620 रुपये
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 21,864 करोड़ रुपये

कोटक पेंशन फंड

- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 5 साल का एनुअल रिटर्न (सीएजीआर) : 19.89%
- मंथली एसआईपी पर पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 16.53 %
- 5000 रुपये मंथली एसआईपी की 5 साल में फंड वैल्यू : 452,340 रुपये
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 3220 करोड़ रुपये

एलआईसी पेंशन फंड

- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 5 साल का एनुअल रिटर्न (सीएजीआर) : 19.40%
- मंथली एसआईपी पर पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 15.06%
- 5,000 रुपये मंथली एसआईपी की 5 साल में फंड वैल्यू : 436,310 रुपये
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 6,830 करोड़ रुपये

एचडीएफसी पेंशन फंड

- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 5 साल का एनुअल रिटर्न (सीएजीआर) : 18.97%
- मंथली एसआईपी पर पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 15.16 %
- 5000 रुपये मंथली एसआईपी की 5 साल में फंड वैल्यू : 437,310 रुपये
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 60,643 करोड़ रुपये

आदित्य बिरला सन लाइफ पेंशन स्कीम

- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 5 साल का एनुअल रिटर्न (सीएजीआर) : 17.75%
- मंथली एसआईपी पर पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 14.31%
- 5000 रुपये मंथली एसआईपी की 5 साल में फंड वैल्यू : 428,355 रुपये
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 1790 करोड़

एसबीआई पेंशन फंड

- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 5 साल का एनुअल रिटर्न (सीएजीआर) : 17.58%
- मंथली एसआईपी पर पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 13.52%
- 5,000 रुपये मंथली एसआईपी की 5 साल में फंड वैल्यू : 420,080 रुपये
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 23,352 करोड़

एनपीएस के बारे में जरूरी जानकारी

एनपीएस एक मार्केट-लिंक्ड स्कीम है। इसमें पेंशन की रकम निवेशक द्वारा किए गए इनवेस्टमेंट और उस पर मिलने वाले बाजार आधारित रिटर्न पर निर्भर करती है। एनपीएस के टियर 1 में एक साल के दौरान 2 लाख रुपये तक के निवेश पर इनकम टैक्स में छूट भी मिलती है। निवेशकों को रिटायरमेंट के समय अपने कॉर्पस में जमा 60% रकम को एकमुश्त निकालने का ऑप्शन मिलता है। यह रकम टैक्स-फ्री होती है। बाकी 40% फंड को एन्युइटी खरीदने में निवेश करना होता है, जिससे पेंशन मिलती है। एनपीएस में लगाए गए पैसों को फंड को इक्विटी, सरकारी बॉन्ड और कॉर्पोरेट बॉन्ड में निवेश किया जाता है। किस एसेट क्लास में कितना निवेश करना है, इसका फैसला निवेशकों की उम्र पर आधारित फॉर्मूले के हिसाब से किया जाता है।

मार्केट आधारित स्कीम में रिटर्न की गारंटी नहीं

एनपीएस में निवेश किए गए पैसों पर बाजार की चाल के हिसाब से लंबी अवधि में अच्छा रिटर्न मिल सकता है, लेकिन मार्केट परफॉर्मेंस अच्छा न रहने पर कमजोर रिटर्न या गिरावट होने पर नुकसान की आशंका से भी इनकार नहीं किया जा सकता। खास तौर पर स्कीम के इक्विटी प्लान के रिटर्न तो पूरी तरह शेयर बाजार से जुड़े होते हैं। इसलिए इनका पिछला रिटर्न आगे भी जारी रहेगा, इसकी गारंटी नहीं होती। हालांकि एनपीएस में इक्विटी और डेट में संतुलित ढंग से निवेश करके रिस्क और रिटर्न के बीच बैलेंस बनाने की कोशिश रहती है। इसलिए लॉन्ग टर्म निवेश को आमतौर पर भरोसेमंद माना जाता है। फिर भी इसमें निवेश से जुड़ा फैसला करने से पहले ये समझना जरूरी है कि एनपीएस कोई गारंटीड इनकम प्लान नहीं है।

खबर संक्षेप

झज्जर। रक्तदाताओं को बैज लगाकर उनका उत्साहवर्धन करते हुए मुख्यातिथि।

शिविर में 89 युवाओं ने किया रक्तदान

झज्जर। बेरी के अग्रवाल स्वागत भवन में क्षेत्र की गैर-सरकारी संस्था युवा जागृति एवं सामाजिक उत्थान मंच द्वारा एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बेरी के नपा उपाध्यक्ष प्रतिनिधि संदीप कादियान ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। संस्था द्वारा आयोजित इस 52वें रक्तदान शिविर में रक्त एकत्रण का कार्य बाढ़सा ब्लड बैंक के टीम सदस्य डॉक्टर रोहित, डॉक्टर रवीश व नरेंद्र तंवर ने किया। मुख्यातिथि संदीप कादियान ने रक्तदाताओं को बैज लगाकर उनका उत्साहवर्धन किया। शिविर में कुल 89 यूनिट एकत्रित किया गया। इस मौके पर संगठन संयोजक तथा पूर्व पार्षद जय भगवान, संगठन के अध्यक्ष दिनेश कुमार, मुकेश ऐरण, प्रदीप ऐरण, मोहित वर्मा, हर्ष ऐरण, पार्षद नवदीप कादियान, राकेश नंबरदार, हिमांशु कादियान, सज्जन, बेरी व्यापार मंडल अध्यक्ष अत्तर सिंह कादियान, एडवोकेट गुलशन कादियान, साहिल, श्रेयाजीत, सोमबीर आदि मौजूद रहे।

जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

निबंध लेखन में स्वीटी व नंदिनी प्रथम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

डाइट माछरौली द्वारा शनिवार को जिला स्तरीय निबंध लेखन, पोस्टर मेकिंग, स्लोगन राइटिंग, कार्टून एवं डिबेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता की अध्यक्षता डाइट प्राचार्य एवं जिला शिक्षा अधिकारी राजेश कुमार ने की जबकि संचालन डीआरयू इंचार्ज राजीव देसवाल द्वारा किया गया। प्रतियोगिता में खंड स्तर पर प्रथम स्थान हासिल करने वाले विद्यार्थियों ने भाग लिया। निर्णायक मंडल की भूमिका डॉक्टर रमेश कुमार, डॉक्टर सुनीता नांदल, डॉक्टर शीतल, अनूप सिंह व बबीता ने निभाई। प्रतियोगिता परिणामों में निबंध लेखन में स्वीटी व नंदिनी ने प्रथम स्थान हासिल किया। डिबेट प्रतियोगिता में ममता, सपना, रितेश व निकेश, स्लोगन राइटिंग में सीमांत व जतिन, पोस्टर मेकिंग में संध्या व खुशी तथा कार्टून प्रतियोगिता में अरुण व महक प्रथम रहे। सभी विजेताओं को पुरस्कृत भी किया गया। इस मौके पर प्राध्यापक सुनील कुमार, भूपेंद्र रोज, मांगे राम, सुमित कुमार, मंगल प्रसाद, विनोद कुमारी सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

झज्जर। शिक्षकों के साथ उपस्थित प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थी। फोटो :हरिभूमि

झज्जर। विजेता प्रतिभागी महाविद्यालय स्टॉफ सदस्यों के साथ। फोटो :हरिभूमि

झज्जर। ट्रॉफी से खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाते हुए स्कूल प्रबंधन समिति के पदाधिकारी।

3000 मीटर रेस में हर्षिता ने जीता सिल्वर मेडल

झज्जर। हांसी के श्रीकृष्ण प्रणामी पब्लिक स्कूल में 24 से 27 अगस्त तक चली सीबीएसई क्लस्टर की 15वीं एथलेटिक्स चैंपियनशिप में एचआर ग्रीन फील्ड वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के खिलाड़ियों का प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा। प्राचार्य मोहिंद्र सिंह गुलिया ने बताया कि उनके संस्थान की खिलाड़ी प्रगति ने लांग जंप व ट्रिपल जंप स्पर्धा में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। हर्षिता चाहर 3000 मीटर दौड़ में दूसरे स्थान पर रही। ये विजेता छात्राएं अब वाराणसी में होने वाले राष्ट्र स्तरीय खेलों में अपनी प्रतिभा दिखाएंगी। इसके अलावा खिलाड़ी दीपांशी, शगुन, साक्षी, हर्षिता ने 4 गुणा 100 मीटर रिले रेस तथा प्रगति, दीपांशी, अंशिका व साक्षी ने 4 गुणा 400 रिले रेस में द्वितीय स्थान हासिल किया। उन्होंने बताया कि उनका संस्थान ओवरऑल परिणामों में द्वितीय स्थान पर रहा। विद्यालय पहुंचने पर स्कूल प्रबंधक विकास धनखड़, प्रदीप धनखड़ व प्राचार्य मोहिंद्र सिंह गुलिया ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

योग प्रतियोगिता में तन्नू व बोरी दौड़ में खुशबू ने पाया पहला स्थान

झज्जर। राजकीय स्नातकोत्तर नेहरू महाविद्यालय में शारीरिक शिक्षा विभाग के तत्वावधान में खेल उत्सव के दूसरे दिन विद्यार्थियों के लिए योग प्रतियोगिता तथा बोरी दौड़ का आयोजन किया गया। छात्राओं की योग प्रतियोगिता में तन्नू ने पहला, मन्नु रानी ने दूसरा और अन्नू ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। छात्र वर्ग की योग प्रतियोगिता में अनुज कुमार ने पहला, दिवेश ने दूसरा और निखिल ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। बोरी दौड़ में खुशबू ने पहला, तमन्ना ने दूसरा और मन्नु रानी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। छात्रों की बोरी दौड़ में नितिन कुमार ने पहला, योगेश ने दूसरा और प्रिंस ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता का निर्णय डॉक्टर अरुण, सौरभ जैन, शिव शंकर और देवेंद्र ने निर्णय किया। प्राचार्य दलबीर सिंह ने विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

न्यूज डायरी

विज्ञान प्रश्नोत्तरी में नेहरू सदन के विद्यार्थी प्रथम

झज्जर। स्कूल प्रबंधन समिति सदस्यों के साथ प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थी।

झज्जर। आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय दादनपुर में शनिवार को अंतर सदनीय विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में नौवीं से बारहवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता का संचालन विज्ञान विभाग की प्राध्यापिका कुमारी एकता व कुमारी प्रियंका ने किया। चार चरणों में विभाजित इस प्रतियोगिता में नेहरू सदन की टीम ने प्रथम स्थान हासिल किया। विजेता टीम में मोनिका, रितिका, मोहिनी व मनिषा शामिल रहीं। इनके अलावा तिलक सदन के विद्यार्थी अंजली, खुश, रितिका व अंशु की टीम को द्वितीय स्थान मिला। विद्यालय प्राचार्य जयप्रकाश यादव ने विजेता विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं उनके सर्वांगीण विकास में सहायक सिद्ध होती है। संस्था समिति सदस्या सीजू गहलावत ने प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता को ज्ञानार्जन का एक सरल व मनोरंजक माध्यम बताया।

मेगा सामान्य ज्ञान स्पर्धा में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

झज्जर। प्रतियोगिता में भागीदारी करते हुए विद्यार्थी। फोटो :हरिभूमि

झज्जर। एचडी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय साल्हावास में शनिवार को मेगा सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्राचार्य सतबीर सिंह की अध्यक्षता में आयोजित इस प्रतियोगिता में नौवीं से बारहवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता परिणामों में बारहवीं कक्षा से छात्रा हिना कौशिक ने प्रथम, सुरैना ने द्वितीय स्थान हासिल किया। ग्यारहवीं कक्षा में अंशु पहले व सोनू दूसरे स्थान पर रहे। दसवीं कक्षा में साधना प्रथम व राशि द्वितीय रहीं जबकि नौवीं कक्षा में रियांश को पहला व हिमांशी को दूसरा स्थान मिला। ओवरऑल परिणामों में रियांश को प्रथम, साधना को द्वितीय व हिना, सोनू और राशि को तृतीय स्थान मिला। प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थियों को एचडी ग्रुप के डायरेक्टर रमेश गुलिया, सचिव विशाल नेहरा व हेमंत गुलिया द्वारा पुरस्कृत किया गया।

संकुल स्तरीय कला उत्सव में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

झज्जर। कार्यक्रम के दौरान अपनी प्रस्तुति देते हुए छात्राएं। फोटो :हरिभूमि

झज्जर। क्षेत्र के गांव कलोई स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय में नवोदय विद्यालय समिति, जयपुर संभाग के तत्वावधान में दो दिवसीय संकुल स्तरीय कला उत्सव 2025 का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ एसडीएम अंकित कुमार चौकसे ने दीप प्रज्वलित कर किया। समारोह में प्राचार्य राजेश गुप्ता ने कार्यक्रम की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डाला। एसडीएम अंकित कुमार चौकसे ने कहा कि इस कला उत्सव का उद्देश्य युवा प्रतिभाओं को एक मंच प्रदान करना है, जिससे वे अपनी कला और संस्कृति को प्रदर्शित कर सकें। यह कार्यक्रम कला और संस्कृति के प्रति छात्रों की रुचि को बढ़ावा देने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। उत्सव में करनाल संकुल के 10 जिलों के नवोदय विद्यालयों से कुल 164 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कला उत्सव में ग्रुप डांस क्लासिक, सोलो डांस, ग्रुप डांस ट्राइबल, और थिएटर जैसी कई विधाओं में विद्यार्थियों ने शानदार प्रस्तुतियां दी।

प्लेसमेंट ड्राइव में सात विद्यार्थी चयनित

झज्जर। प्लेसमेंट ड्राइव में साक्षात्कार देते हुए विद्यार्थी। फोटो :हरिभूमि

झज्जर। इंदिरा प्रियदर्शिनी महाविद्यालय में शनिवार को प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया। एनआईआईटी गुरुग्राम कार्यालय के प्रतिनिधि सूर्या सिंह ने विद्यार्थियों का साक्षात्कार लिया। प्लेसमेंट सेल प्रभारी तरुणा और अंजली ने बताया कि प्लेसमेंट ड्राइवहुए विद्यार्थी में सात विद्यार्थियों का चयन किया गया। चयनित विद्यार्थियों में संजना, स्नेहा, प्रियंका, लक्षिता, आरती, शिवानी, खुशी, शिवानी और हैप्पी शामिल हैं। उन्हें अगले चरण के लिए प्रेरित किया गया है। राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में खेल विभाग प्रमुख ज्योति ने विद्यार्थियों को खेलों व योग के महत्व बारे जानकारी दी।

जिला सम्मेलन में विभिन्न मुद्दों पर किया मंथन

झज्जर। शनिवार को सीआईटीयू के छठे जिला सम्मेलन का आयोजन किया गया। मान सिंह स्मारक पर आयोजित इस सम्मेलन की अध्यक्षता अनीता, मुकेश व राजेंद्र ने की जबकि संचालन किरण, प्रवेश व संदीप द्वारा किया गया। सीआईटीयू के प्रदेश महासचिव जय भगवान ने बताया कि बीजेपी सरकार मजदूर वर्ग के हकों पर डाका डालना चाहती है। किसान और मजदूर की विचारधारा को खत्म करके कॉर्पोरेट को फायदा पहुंचाने के लिए काम कर रही है। किसान, मजदूर, आशा वर्कर, ग्रामीण सफाई कर्मचारी, चौकीदार कर्मचारी आदि संगठन लगातार आंदोलन कर रहे हैं लेकिन सबकी मांगों को अनदेखा किया जा रहा है। सरकार बिजली विधेयक बिल द्वारा स्मार्ट मीटर लगाना चाहती है। जिस दिन ये स्मार्ट मीटर लग जाएंगे उसी दिन से महंगी दरों पर बिजली मुहैया हो पाएगी। इन समस्याओं के समाधान के लिए हमें बड़ा आंदोलन करना होगा। इस मौके पद प्रदेश सचिव विनोद व महासचिव जयभगवान के नेतृत्व में तालमेल कमेटी का गठन भी किया गया। जिसमें किरण को कन्वीनर, संदीप, प्रवेश, अनीता, मुकेश, राजेंद्र सुलौधा, ईश्वर, बालेश, प्रकाशी आदि को उप कन्वीनर चुना गया गया। इस मौके पर सर्व कर्मचारी संघ के जिला प्रधान रामबीर, राजेंद्र लकड़िया, सतबीर, बलराज, सुदेश, मूर्ति, अंजू, सुदेश, सविता सहित ने भी संबोधित किया।

नेत्रदान करने वाला व्यक्ति दो नेत्रहीनों के जीवन में भरता है उजाला : डॉक्टर जयमाला

झज्जर। पोस्टर व स्लोगन के माध्यम से नेत्रदान के लिए जागरुक करते हुए सिविल सर्जन डॉक्टर जयमाला एवं अन्य। फोटो :हरिभूमि

झज्जर। स्वास्थ्य विभाग द्वारा मनाए जा रहे 40वें राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़े के तहत शनिवार को स्थानीय नागरिक अस्पताल में कार्यक्रम का आयोजन कर लोगों को जागरुक किया गया। सीएमओ डॉक्टर जयमाला ने कहा कि नेत्रदान सबसे बड़ा दान है। एक मृत व्यक्ति अपने नेत्रदान से दो नेत्रहीनों को जीवनभर उजाला दे सकता है। उन्होंने कहा कि आज भी देश में लाखों लोग नेत्रहीनता से जूझ रहे हैं। ऐसे में समाज के हर वर्ग को आगे आकर नेत्रदान का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि नेत्रदान के लिए मृत्यु के पश्चात मात्र 6 घंटे के भीतर आंखें सुरक्षित की जा सकती हैं। इसलिए हर परिवार को इस बारे में जानकारी होना जरूरी है। उप सिविल सर्जन एवं नेत्र विशेषज्ञ डॉक्टर मीनू ने नेत्रदान पखवाड़े की जानकारी देते हुए बताया कि अभियान के अंतर्गत विभिन्न स्कूलों व कॉलेजों के विद्यार्थियों द्वारा पोस्टर और स्लोगन के माध्यम से लोगों को नेत्रदान के लिए जागरुक किया जा रहा है।

प्रदर्शनी में राजकीय स्कूल के विद्यार्थी प्रथम

- राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जहाजगढ़ में खंड स्तरीय पर्यावरण विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जहाजगढ़ में खंड स्तरीय पर्यावरण विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में खंड के सभी राजकीय स्कूलों के नौवीं से बारहवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों ने भागीदारी करते हुए संबंधित विषयों पर मॉडल प्रदर्शित किए। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के तौर पर उपस्थित जिला शिक्षा अधिकारी राजेश खन्ना ,खंड शिक्षा अधिकारी रोहताश दहिया, प्राचार्य डॉक्टर लाली कुमारी, नोडल ऑफिसर रविंद्र कौशिक ने शिक्षकों के साथ दीप प्रज्वलित कर प्रदर्शनी की शुरूआत की। जिला शिक्षा अधिकारी ने सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों को पर्यावरण के महत्व से अवगत करवाते हुए उन्हें प्राकृतिक संसाधनों जैसे ऊर्जा, जल एवं भूमि संरक्षण आदि की जानकारी दी। नोडल अधिकारी रविंद्र कौशिक ने विद्यार्थियों से प्रकृति प्रहरी बनने का आह्वान किया। निर्णायक मंडल की भूमिका में नेहरू कॉलेज से असिस्टेंट प्रोफेसर डॉक्टर अरविंद, दुजाना कॉलेज असिस्टेंट प्रोफेसर डॉक्टर संदीप व राजकीय कॉलेज मातनहेल से असिस्टेंट प्रोफेसर नवीन ने निभाई। विज्ञान प्रदर्शनी मे राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय धांधलान के विद्यार्थी प्रथम तथा राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जहाजगढ़ के विद्यार्थी रहे। इनके अलावा राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल माजरा-डी के विद्यार्थियों ने तीसरा स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता मे प्रथम स्थान हासिल करने वाले विद्यार्थियों को आठ हजार रुपये, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली टीम को छह हजार रुपये, तृतीय रहने वाली टीम को चार हजार रुपये तथा सांत्वना पुरस्कार प्राप्त करने वाली टीम को दो हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि से सम्मानित किया गया।

झज्जर। प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए निर्णायक मंडल सदस्य। फोटो :हरिभूमि

ये मौजूद रहे

इस मौके पर डीएसएस जसबीर दलाल, डीएमएस विक्रम, बीआपी सरिता, प्रांजलि, एबीआरसी उर्मिला, देवना, प्राध्यापिका डॉक्टर राजबाला, पूनम, अंजना, राकेश सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

बहादुरगढ़। प्रदर्शनी में अपने मॉडल्स के साथ विद्यार्थी। फोटो :हरिभूमि

प्रदर्शनी में बच्चों ने दिया रचनात्मकता का परिचय

बहादुरगढ़। गांव जसोरखेड़ी स्थित एमडीएस शिक्षा सदन सीनियर सेकेंडरी स्कूल में वेस्ट मटेरियल से तैयार किए गए आकर्षक और ज्ञानवर्धक मॉडलों की प्रदर्शनी लगाई गई। प्रदर्शनीमें बच्चों ने अपनी रचनात्मकता और वैज्ञानिक सोच का परिचय दिया। सातवीं कक्षा की दीक्षा, निशिका और आदित्य ने प्रकाश संश्लेषण के मॉडल, लकिशा ने फाइबर टू फैब्रिक, जबकि भूमिका तथा दीक्षा ने पानी को शुद्ध करने की विधि प्रदर्शित की। आठवीं कक्षा के कार्तिक और दीक्षा ने खेतों में सिंचाई प्रणाली का मॉडल प्रस्तुत कर जल संरक्षण का संदेश दिया। वहीं स्वाति, चेष्टा, रिया, यश, कार्तिक और गर्वित ने ऋतुओं तथा उनके मानव शरीर पर प्रभावों को रचनात्मक ढंग से समझाया। छठी कक्षा के बच्चों ने विज्ञान, गणित और अंग्रेजी ग्रामर से संबंधित चार्ट बनाकर अपनी प्रतिभा दिखाई। वहीं सातवीं की लकिशा देशवाल द्वारा तैयार रवींद्रनाथ टैगोर का पोर्ट्रेट प्रदर्शनी का मुख्य आकर्षण रहा। डायरेक्टर कविता देशवाल और प्रिंसिपल राजबाला देशवाल ने सभी मॉडलों का अवलोकन कर छात्रों की मेहनत की सराहना की तथा प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

पौधे लगाकर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

बहादुरगढ़। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के रीजनल ऑफिसर शैलेंद्र अरोड़ा और एसडीई अमित के नेतृत्व में सेक्टर-6 स्थित आरडब्ल्यूए व स्थानीय पार्षदों के साथ मिलकर पौधारोपण अभियान चलाया गया। इस दौरान सेक्टर-6 और प्रेम नगर रोड पर कई पौधे लगाए गए। कार्यक्रम में बीसीसीआई के उपप्रधान नरेंद्र छिकारा, पार्षद सत्यप्रकाश, पार्षद प्रतिनिधि संजीव मलिक, पर्यावरण प्रेमी जयपाल संगवान सहित कई स्थानीय लोग मौजूद रहे। सभी ने पौधे लगाए और उनकी देखभाल करने का संकल्प लिया। अधिकारियों और पर्यावरण प्रेमियों ने मौके पर मौजूद लोगों को हरियाली के महत्व के बारे में जागरूक किया। उन्होंने कहा कि प्रदूषण की बढ़ती समस्या और प्रकृति का संतुलन बनाए रखने के लिए पौधारोपण बेहद जरूरी है। रीजनल ऑफिसर शैलेंद्र अरोड़ा ने कहा कि पेड़-पौधे न सिर्फ पर्यावरण को स्वच्छ बनाते हैं बल्कि सभी जीवों के जीवन के लिए जरूरी हैं। हरियाली बढ़ाने और प्रदूषण कम करने के लिए ऐसे अभियानों को लगातार जारी रखा जाएगा। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे पौधारोपण के साथ-साथ पहले से लगे पौधों की देखभाल को भी अपनी जिम्मेदारी समझें।

झज्जर। शिविर में उपस्थित ग्रामीण, शिक्षक एवं चिकित्साकर्मी।

स्वास्थ्य शिविर में 63 लोगों ने उठाया लाभ

झज्जर। क्षेत्र के गांव रायपुर स्थित राजकीय प्राथमिक पाठशाला में आयुष विभाग द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। ग्रामीणों के सहयोग से लगाए गए इस शिविर में डॉक्टर काजल डबास ने मरीजों की स्वास्थ्य जांच करते हुए जरुरतमंद लोगों को निःशुल्क दवाइयां भी वितरित की। योग सहायक नवीन कायत व योग प्रशिक्षक ममता ने शिविर में पहुंचे ग्रामीण व युवाओं को योगाभ्यास कराते हुए योग से होने वाले लाभों की जानकारी दी। डॉक्टर काजल डबास ने बताया कि शिविर में कुल 63 मरीजों की जांच की गई। जिनमें अधिकांश लोग चर्म रोग और पेट के रोगों से पीड़ित पाए गए। शिविर के दौरान विद्यार्थियों में स्वास्थ्य वर्धक औषधियां भी वितरित की गई। इस मौके पर सरपंच प्रतिनिधि रामेश्वर, विजय कुमार, शारदा कुमारी सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

सेमिनार में सामुदायिक सेवा और डिजिटल सुरक्षा पर हुआ मंथन

- ऑनलाइन बैंकिंग धोखाधड़ी, फिशिंग लिंक और सोशल मीडिया पर फैलने वाले फर्जी संदेशों से सावधान रहने की सलाह दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

वैश्य आर्य कन्या महाविद्यालय में एनएसएस इकाई और इको क्लब के संयुक्त तत्वावधान में ओरिएंटेशन व साइबर फ्रॉड जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता एसीपी बादली डॉ. प्रणय कुमार ने छात्राओं को साइबर फ्रॉड और सुरक्षा के उपायों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने ऑनलाइन बैंकिंग धोखाधड़ी, फिशिंग लिंक और सोशल मीडिया पर फैलने वाले फर्जी संदेशों से सावधान रहने की सलाह दी। इंस्टीट्यूट ऑफ इकोनॉमिक ग्रोथ के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सुखदीप सिंह ने छात्राओं को वित्तीय साक्षरता और संसाधनों के सही प्रबंधन के महत्व के बारे में बताया। बहादुरगढ़ शिक्षा सभा के प्रधान श्रीनिवास गुप्ता ने निजी जानकारी सुरक्षित रखने और सोशल मीडिया पर इसे साझा न करने की नसीहत दी। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. राजवंती ने एनएसएस गतिविधियों के माध्यम से सामुदायिक सेवा, साइबर सुरक्षा, रक्तदान, वृक्षारोपण और स्वच्छता अभियानों में भागीदारी के लिए छात्राओं को प्रेरित किया। एनएसएस और इको क्लब प्रभारी डॉ. नेहा नैन ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए छात्राओं को एनएसएस के मोटो 'मैं नहीं, बल्कि आप' को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ. नैना, आरती और बिमला का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम में मैनेजमेंट कमेटी के उप-प्रधान प्रेमचंद बंसल, राजपाल शर्मा, बजाज फाइनेंस लिमिटेड से दीपक साहू, प्रमोद त्रिवेदी, अत्रिदेव मिश्रा, अभिषेक आनंद और सुशील देव मौजूद रहे। उन्होंने छात्राओं को मोबाइल का सीमित उपयोग कर जागरूकता कार्यक्रमों में सक्रिय रहने की प्रेरणा दी।

बहादुरगढ़। छात्राओं और कॉलेज स्टाफ को जागरूक करते एसीपी प्रणय कुमार।

बाबा कांशीगिरी मंदिर में श्रद्धालुओं ने भजनों के माध्यम से किया बाबा गणेश की महिमा का गुणगान

आ लौट के आजा हनुमान तुम्हें श्री राम बुलाते हैं..

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

भक्त के अंदर भक्ति व भाव जरूर होना चाहिए। जब भक्त के अंदर भक्ति भाव होगा तो उसकी भक्ति कभी विफल नहीं होगी। वह अपनी सफलता की सीढ़ियों तक आसानी तक पहुंच जाएगा। यह बात पंडित पवन कौशिक ने बाबा कांशीगिरी मंदिर में गणेशोत्सव के चौथे दिन श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि किसी भी शुभ कार्य की शुरुआत में गणेश जी की पूजा करने से कार्य निर्विघ्न संपन्न होता है। उन्होंने कहा कि दुःख व्यक्ति के धैर्य की परीक्षा लेता है। कार्यक्रम में नारायणी सरदाना, संतोष हंस, संगीता वर्मा, पूनम छाबड़ा, हर्ष चावला, संतोष अरोड़ा, हिमांशी अरोड़ा, इंदु शर्मा, उमा गुलाटी, नीलम गाबा, उषा काठपालिया, सुषमा गोसाई, इंदू भुगड़ा ने गणपति बाबा का भजनों से गुणगान किया। जब से देखा तुम्हें जाने क्या हो गया ए गोरा मां के लाल मैं तेरा हो गया..राजेंद्र वधवा, योगेश रंजन ने आ लौट के आजा हनुमान तुम्हें श्री राम बुलाते है.. भजन प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं को भाव विभोर कर दिया।

झज्जर। बाबा कांशीगिरी मंदिर में बाबा गणेश की आरती करते हुए श्रद्धालु। फोटो :हरिभूमि

ये श्रद्धालु मौजूद रहे

इस अवसर पर शीला देवी चुघ, विशन वधवा, किरण वर्मा, रोजी नांरग, किरण अरोड़ा, कमल लता शर्मा, सृष्टि यशिका रंजन, सुमन वधवा, भावना काठपालिया, आशू बजाज, डिंपल वर्मा, वेद बहल पाशु, केवल अरोड़ा, शिवम तनेजा, रमेश लखेरा, योगेश रंजन, नयन हंस, ईशान मेहता, उमंग खुराना, निशा, तन्नू, कीर्ति, प्रवीण, भूवि मायरा कुंती वर्मा, सुभाष वर्मा, सुंदर वर्मा, देवेश शर्मा, पंकज भारद्वाज, लक्ष्य वर्मा, विनोद भूटानी, लोकेश वर्मा, तनवे वर्मा, भारत भूषण नंदा, वीरेंद्र खुराना, वंशु वर्मा, भवित वर्मा सहित अन्य मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा और खेल जरूरी

झज्जर। संस्कारम पब्लिक स्कूल खातीवास में हॉकी के महान खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की जयंती के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत मेजर ध्यानचंद पर आधारित स्लोगन व पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिताए कराई गईं। संस्कारम ग्रुप के चेयरमैन महिपाल ने मेजर ध्यानचंद के योगदान को याद करते हुए विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे खेल और फिटनेस को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं। शिक्षा और खेल दोनों ही विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं। प्रतियोगिताओं के अंतर्गत विद्यार्थियों ने मेजर ध्यानचंद का चित्र बनाकर उसमें रंग भरे। विद्यार्थियों ने हॉकी स्टिक और बॉल के साथ खेलने का अभ्यास भी किया।

गाड़ी चोरी के मामले में चार आरोपी जेल भेजे

बहादुरगढ़। सदर थाना पुलिस ने गाड़ी चोरी के मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों से चोरीशुदा गाड़ी भी बरामद की गई है। थाना प्रबंधक निरीक्षक दिलबाग के अनुसार, कुलासी निवासी जसवीर ने गाड़ी चोरी की शिकायत दर्ज कराई थी। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सौरव निवासी रिठाल रोहतक हाल दिल्ली, सागर निवासी कानोंदा, ध्रुव निवासी कंझावला दिल्ली और विजय निवासी कानोंदा के रूप में हुई है। आरोपियों ने वारदात कुबूल कर ली। उनके कब्जे से गाड़ी भी बरामद कर ली गई। आरोपियों को अदालत में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया ।

अवैध हथियार व कारतूस सहित गिरफ्तार किया

बहादुरगढ़। एंटी व्हीकल थेफ्ट टीम ने सदर थाना क्षेत्र में अवैध हथियार सहित एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी से देशी पिस्तौल व तीन कारतूस बरामद हुए। आरोपी को जेल भेज दिया गया है। एवीटी प्रभारी जमीन खान के अनुसार, एसआई रवि कुमार की टीम नूना माजरा में मौजूद थी। इस दौरान टीम ने शक के आधार पर एक युवक को काबू किया। तलाशी में उसके पास एक पिस्तौल मिली, जिसकी मैग्जीन में तीन कारतूस थे। आरोपी की पहचान नवीन निवासी नूना माजरा के रूप में हुई।

जगह-जगह सजे पंडालों में भक्तिमय वातावरण बना

गणपति बप्पा से सुख, शांति और समृद्धि की कामना की

पूर्व पार्षद गुरदेव राठी ने परिवार के साथ शिरकत कर भगवान श्रीगणेश से आशीर्वाद लिया

जटवाड़ा मोहल्ला स्थित दुर्गा मंदिर के निकट युवा मंडल की ओर से गणपति महोत्सव का आयोजन किया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। गुरदेव राठी व उनके परिवार को स्मृति चिह्न भेंट करते आयोजक।

शहर में गणपति महोत्सव की धूम मची हुई है। जगह-जगह सजे पंडालों में भक्तिमय वातावरण बना हुआ है, जहां सुबह और शाम आरती, भजन-कीर्तन और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के जरिये श्रद्धालु गणपति बप्पा की आराधना कर रहे हैं।

जटवाड़ा मोहल्ला स्थित दुर्गा मंदिर के निकट युवा मंडल की ओर से भी धूमधाम से गणपति महोत्सव का आयोजन किया गया है। शनिवार को पूर्व पार्षद गुरदेव राठी ने अपने परिवार के साथ शिरकत कर भगवान श्रीगणेश से आशीर्वाद लिया। राठी परिवार ने विधिवत पूजा-अर्चना कर बप्पा से देश में सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। आयोजन समिति की ओर से गुरदेव राठी व उनके परिवार को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। पूर्व पार्षद गुरदेव राठी ने कहा कि गणपति महोत्सव सिर्फ धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि समाज में एकता, भाईचारे और सकारात्मक सोच का संदेश देता है। गणपति बप्पा विघ्नहर्ता हैं, हम सभी को उनके आशीर्वाद से अपने जीवन में आने वाली चुनौतियों का सामना करने की शक्ति मिलती है। ऐसे आयोजनों से युवा पीढ़ी को भी भारतीय संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने का अवसर मिलता है।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर बालकिशन प्रधान, दिनेश रावल, मोहित, सचिन, दीपक, सुमित, बाबू सहित बड़ी संख्या में मंडल सदस्य और श्रद्धालु मौजूद रहे।

250 किलो दूध से होगा अभिषेक

बहादुरगढ़। शहर में जगह जगह सजे गणपति पंडाल भक्ति और आकर्षण का केंद्र बने हैं। पुरानी सब्जी मंडी स्थित गणपति चौक पर सजे पंडाल में सुबह, शाम भक्तिमय कार्यक्रम हो रहे हैं। रविवार 31 अगस्त को पंडाल में विराजे गणपति बप्पा का 250 किलो दूध से अभिषेक अर्चन होगा। दोपहर को भंडारे का आयोजन होगा। यह आयोजन बालक हितैषी सेवा समिति की ओर से किया जा रहा है।

झज्जर। प्रशिक्षणार्थियों के साथ उपस्थित मुख्यातिथि विजय कुमार व निदेशक उमेश भूकर।

पीएनबी ने प्रशिक्षणार्थियों को वितरित किए प्रमाण-पत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

■ कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान निदेशक उमेश भूकर ने की जबकि मुख्यातिथि के रूप में मुख्य जिला अग्रणी प्रबंधक विजय कुमार ने शिरकत की।

पंजाब नेशनल बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान में शनिवार को प्रमाण-पत्र वितरण समारोह का आयोजन किया गया। समारोह के दौरान सिलाई का प्रशिक्षण लेने वाली 24 प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान निदेशक उमेश भूकर ने की जबकि मुख्यातिथि के रूप में मुख्य जिला अग्रणी प्रबंधक विजय कुमार ने शिरकत की। उन्होंने सभी प्रशिक्षणार्थियों में प्रमाण-पत्र वितरित करते हुए ट्रेनिंग संबंधी फीडबैक भी लिया।

उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत की अवधारणा को तभी सार्थक किया जा सकता है जब युवा प्रशिक्षण प्राप्त कर स्वरोजगार शुरू करें। इस दौरान निदेशक उमेश भूकर ने महिलाओं के लिए ब्यूटी पार्लर के प्रशिक्षण का शुभारंभ करते हुए उन्हें बैंक में खाता खुलवाने, सामाजिक सुरक्षा योजना, अटल पेंशन योजना आदि की जानकारी दी। इस मौके पर सतपाल सिंह, आशीष शर्मा, फाल्गुनी शर्मा, शशी कुमार, सुरेंद्र सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

सुमन देशवाल नर्सिंग वेलफेयर एसोसिएशन की जिला प्रधान बनीं

झज्जर। चुनाव के बाद मीटिंग में उपस्थित नवनियुक्त पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

नर्सिंग वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा शनिवार को सर्व सम्मत्ति से नव कार्यकारिणी का गठन किया गया है। स्थानीय नागरिक अस्पताल में आयोजित एसोसिएशन की मीटिंग में सर्व सम्मत्ति द्वारा सुमन देशवाल को जिला प्रधान, मीना देवी व सरला को उपप्रधान, कविता गुलिया को जनरल सेक्रेटरी व रेनु को ज्वाइंट सेक्रेटरी चुना गया।

पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई: इसके अलावा सीएचसी बादली से सोनू व मातनहेल अस्पताल से गौरव कादियान को प्रेस सचिव की जिम्मेवारी सौंपी गई। चुनाव के बाद सभी नव नियुक्त पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई।

इस दौरान नर्सिंग अधिकारी प्रमिला, संतोष, अंजु चाहार, सुदेश राठी, सुमन दहिया, मंजू कादियान, दर्शना, सुमन, मंजू यादव आदि ने आशा जताई कि नव नियुक्त पदाधिकारी अपने पद की गरिमा को ध्यान में रखते हुए एसोसिएशन की मांगों व समस्याओं के समाधान के लिए तत्परता से आवाज उठाएंगे।

झज्जर। खिलाड़ियों को बॉक्सिंग गुर बताते हुए एसीपी अखिल कुमार। फोटो : हरिभूमि

एसीपी ने युवाओं को सिखाए बॉक्सिंग के गुर

झज्जर। मेजर ध्यानचंद के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया जा रहा है। शनिवार को जिला मुख्यालय स्थित महर्षि दयानंद सरस्वती खेल स्टेडियम में बॉक्सिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। इस मौके पर ओलंपियन अर्जुन अवॉर्डी बॉक्सर एसीपी अखिल कुमार ने बॉक्सिंग खेल विधा की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने युवा खिलाड़ियों को बॉक्सिंग की बारीकियों से अवगत कराया उन्होंने कहा कि ऐसे खेल उत्सव सरीखे आयोजन युवाओं को खेलों से जुड़ने के लिए प्रेरित करते हैं। बॉक्सिंग में खिलाड़ियों ने एक-दूसरे पर आक्रामक प्रहार करते हुए बेहतरीन तकनीक का प्रदर्शन किया। वहीं फिजियोथैरेपिस्ट डॉक्टर अरुण कुमार ने युवा खिलाड़ियों को चोट से बचाव के तरीके भी बताए।

कार्यशाला में शिक्षकों को मिले सकारात्मक शिक्षण के सूत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बराही रोड स्थित त्रिवेणी मेमोरियल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में खुशहाल कक्षा विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्कूल निदेशिका संगीता वर्मा और प्रिंसिपल अनिल कुमार ने किया, जबकि कार्यशाला का संचालन पंकज ने किया।

इस कार्यशाला का उद्देश्य शिक्षकों को ऐसा सकारात्मक और आकर्षक शिक्षण वातावरण बनाने के लिए प्रेरित करना था, जिसमें छात्र भावनात्मक और सामाजिक रूप से सुरक्षित महसूस करें।सत्र के दौरान सकारात्मक माहौल निर्माण, कक्षा में छात्रों को निर्णय लेने के अवसर देना, उनकी चिंताओं को सुनना और सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने जैसे बिंदुओं पर चर्चा हुई। पंकज ने बताया कि खेल, समूह गतिविधियों और व्यावहारिक अनुभवों को शामिल कर शिक्षा को अधिक रोचक बनाया जा सकता है। उन्होंने जोर दिया कि ऐसी शिक्षण विधियां अपनाई जाएं जो छात्रों की जिज्ञासा को पोषित करें और रचनात्मकता को बढ़ावा दें, जिससे बच्चे न केवल ज्ञान अर्जित करें।

कॉलेज में हुआ ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन

बहादुरगढ़। राजकीय महिला कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा नव–नामांकित छात्राओं के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्या अल्का गुलाटी के स्वागत से हुआ। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि एनएसएस छात्राओं को समाज सेवा, अनुशासन और नेतृत्व का वास्तविक अनुभव प्रदान करता है। उन्होंने छात्राओं से आग्रह किया कि वे अपनी ऊर्जा और क्षमताओं को समाज व राष्ट्र के विकास में योगदान देने के लिए प्रयोग करें। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आशिमा ने स्वयंसेविकाओं को एनएसएस के इतिहास, उद्देश्यों, आदर्श वाक्य व गतिविधियों से अवगत कराया। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसमें प्राचार्या, अध्यापकों तथा सभी छात्राओं की सक्रिय सहभागिता के लिए आभार व्यक्त किया गया।

जैन मंदिरों में आर्जव लक्षण पर प्रवचन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

भगवान का अभिषेक करते श्रद्धालु।

जैन समाज के पवित्र दशलक्षण महापर्व के तीसरे दिन शनिवार को बहादुरगढ़ के जैन मंदिरों में 'आर्जव' लक्षण पर विशेष धार्मिक कार्यक्रम आयोजित हुए। इस अवसर पर मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी।

साधु-संतों और विद्वानों ने प्रवचन में समझाया कि आर्जव का अर्थ है सरलता और मन, वचन व कर्म में सीधापन। श्रद्धालुओं को बताया गया कि जीवन में कपट, छल और दिखावे को त्यागकर सादगी अपनाना ही आर्जव का पालन है, जो आत्मशुद्धि का मार्ग प्रशस्त करता है। कार्यक्रम में शांतिधारा, पूजन-अभिषेक और भक्ति गीतों का आयोजन किया गया।

नवीन जैन ने बताया कि महापर्व के तहत प्रतिदिन एक लक्षण पर प्रवचन होते हैं। आगामी दिनों में भी विभिन्न लक्षणों पर प्रवचन और धार्मिक गतिविधियां जारी रहेंगी। अंतिम दिन भव्य शोभायात्रा के साथ महापर्व का समापन होगा।

लोगों को नशे से दूर रहने की सलाह दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। कर्मचारियों को जागरूक करते एसआई सत्यप्रकाश।

झज्जर पुलिस लोगों को नशे के दुष्प्रभाव और उससे बचाव के लिए जागरूक कर रही है। शैक्षणिक संस्थानों, खेल मैदानों, कंपनियों और सार्वजनिक स्थानों पर जाकर युवाओं को नशा मुक्त हरियाणा मुहिम की जानकारी दे रही है। भापड़ोदा के जेसीबी वेयरहाउस, सांखोल स्थित विजेक्स स्टील फैब्रिकेशन और महिला विद्यालय बालौर में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए। उपनिरीक्षक सत्य प्रकाश ने छात्रों और कर्मचारियों को नशे से दूर रहने तथा दूसरों को भी जागरूक करने की अपील की। उन्होंने कहा कि नशे के खिलाफ जंग तभी सफल होगी जब हर व्यक्ति जागरूक होकर सहयोग करेगा। पुलिस कमिश्नर डॉ. राजश्री सिंह ने आमजन से अपील की कि नशीले पदार्थ की खरीद-फरोख्त की सूचना तुरंत दें। इसके लिए हेल्पलाइन नंबर 9050891508 जारी किया गया है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, गणपति ट्रैवलर्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फोन : 8295738500, 8814999142, 8295157800, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 ×8 सें.मी 10× 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
झज्जर : हरिभूमि कार्यालय, पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, फोन : 8295876400
बहादुरगढ़ : सुरजमल वाली गली, रोहतक रोड, गणपति ट्रैवल्स के ऊपर, 8295852900

पुरुषों की आठ और महिलाओं की पांच टीम भाग ले रहीं

पहले मैच में सिरसा ने जींद को हराया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। मैच के दौरान गोल का प्रयास करते खिलाड़ी। फोटो : हरिभूमि

एचएल सिटी स्थित चैंपियंस एक्वेटिक एकेडमी स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में शनिवार से दो दिवसीय हरियाणा राज्य वाटर पोलो प्रतियोगिता की शुरुआत हुई। पहले मुकाबले में सिरसा ने पेनल्टी शूट में जींद को हराया।

प्रतियोगिता का आयोजन हरियाणा ओलंपिक संघ के उपाध्यक्ष एवं हरियाणा स्विमिंग एसोसिएशन के महासचिव अनिल खत्री की देखरेख में किया जा रहा है। उद्घाटन अवसर पर अनिल खत्री ने खिलाड़ियों से परिचय किया और उनका उत्साह बढ़ाया। पहला मुकाबला सिरसा और जींद की टीमों के बीच खेला गया, जो बेहद रोमांचक रहा।

निर्धारित समय में दोनों टीमों ने 6-6 गोल कर मुकाबले को बराबरी पर ला दिया। पेनल्टी शूटआउट में सिरसा ने चार शॉट में से तीन गोल दागकर जीत हासिल की, जबकि जींद पांच शॉट में सिर्फ दो गोल कर सकी। प्रतियोगिता में पुरुषों की आठ टीमें और महिलाओं की पांच टीमें हिस्सा ले रही हैं। अनिल खत्री ने बताया कि मेजर ध्यानचंद की जयंती पर राष्ट्रीय खेल दिवस के मौके पर शुक्रवार को इनविटेशनल स्विमिंग चैंपियनशिप आयोजित की गई थी और अब वाटर पोलो प्रतियोगिता खेलों के उत्सव के रूप में मनाई जा रही है। प्रतियोगिता के समापन समारोह में हरियाणा ओलंपिक संघ के अध्यक्ष मीनू बेनीवाल खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने बहादुरगढ़ पहुंचेंगे।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर वॉर वेटरन महेंद्र खत्री, उपाध्यक्ष रवि सिंगारी, सदस्य सुरेश जून, देशी ढाणी निदेशक सुनील खत्री, बलवान कादयान, हनुमान खत्री, एनआरआई अनिल, जींद सचिव विनोद, कोच धनराज, यमुनानगर सचिव अनिल शर्मा, सिरसा कोच प्रवीण, सोनीपत से हरबीर, कोच साई जाधव, पदमपाल, कृष्णमुरारी और विशाल आदि उपस्थित रहे।

रैली निकालकर नशे के प्रति जागरूक किया

बहादुरगढ़। वैश्य आर्य शिक्षण महिला महाविद्यालय में नशा मुक्त भारत अभियान का समापन ऑनलाइन क्विज के माध्यम से हुआ।

इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. आशा शर्मा ने कहा कि नशा केवल व्यक्ति का नहीं बल्कि उसके परिवार का भी जीवन प्रभावित करता है। युवाओं को चाहिए कि वे नशे से दूर रहें और अपनी ऊर्जा को रचनात्मक तथा सकारात्मक कार्यों में लगाएं, ताकि समाज और भविष्य दोनों उज्ज्वल बन सकें। अभियान के दौरान रैली, डोर-टू-डोर अवेयरनेस, पोस्टर, स्लोगन, रंगोली एवं क्विज आदि गतिविधियों के द्वारा जागरूकता फैलाई गई। इसी क्रम में दो पेड़ नशा मुक्ति घर के नाम अभियान के अंतर्गत विभिन्न स्थानों पर पौधारोपण भी किया गया। इन कार्यक्रमों के माध्यम से भावी अध्यापिकाओं व प्रवक्ताओं ने संदेश दिया कि नशा जीवन की संभावनाओं को क्षीण कर देता है और समाज में बुराई फैलाता है।

नन्हे बच्चों ने सीखा योग और अनुशासन का पाठ

बहादुरगढ़। झज्जर रोड पर ओमेक्स ग्लेरिया स्थित विजय प्ले स्कूल में शनिवार को योगाचार्य जगदीश कुमार सहवाग की ओर से योग-प्राणायाम व देशभक्ति शिविर आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल हेड सीमा किंद्रा ने की। आचार्य जगदीश ने बच्चों को विभिन्न आसन और प्राणायाम का अभ्यास करवाते हुए नियमित योग को दिनचर्या का हिस्सा बनाने की प्रेरणा दी। उन्होंने अनुशासन, समय पर सोने-जागने, घर का बना पौष्टिक भोजन करने और फास्ट फूड से दूर रहने का संदेश दिया। बच्चों को देशभक्ति और अच्छे संस्कार अपनाने के महत्व से भी अवगत कराया। योगाचार्य ने कहा कि माता-पिता और शिक्षक मिलकर ही बच्चों के व्यक्तित्व का सही निर्माण कर सकते हैं। नियम, अनुशासन, सदाचार और प्रकृति संरक्षण जैसी सीख बचपन से देने पर ही बच्चे जिम्मेदार नागरिक बनेंगे।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
P-1
रोहतक,रविवार 31 अगस्त 2025

क्या टीचर्स का रोल निभा पाएगा आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस

जब-जब किसी नई तकनीक का प्रचलन बढ़ता है, पारंपरिकता के सामने चुनौती खड़ी हो ही जाती है। हाल के वर्षों में एआई के बढ़ते चलन ने कई अन्य प्रोफेशंस समेत टीचर्स के लिए भी चुनौती पैदा कर दी है। लेकिन सवाल यह है कि क्या एआई कभी एक इंसान जैसी भावनात्मक जुड़ाव के साथ नैतिकता और मानव मूल्य का पाठ छात्रों को पढ़ा पाएगा?

{ आवरण कथा / लोकमित्र गौतम }

आज के एआई (आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस) युग में जब हर तरह के कठिन से कठिन सवाल का जवाब चैटबॉट पलक झपकते दे देते हों, जब बच्चों से लेकर गहन शोधकर्ताओं तक में अपनी हर जिज्ञासा को गूगल सर्च या एआई के जरिए साफ करने की प्रवृत्ति गढ़ी हो, जब दुनिया के टॉप यूनिवर्सिटीज में भी आधे से ज्यादा शोध एआई की मदद से किए जा रहे हों, जब नए वैज्ञानिक आविष्कारों, मेडिकल तकनीकों, बीमारियों के नए से नए इलाज खोजने के लिए एआई का धड़ल्ले से इस्तेमाल किया जा रहा हो, तब क्या बच्चों को पढ़ाने के लिए, उन्हें पढ़ा लिखाकर संवारने के लिए, शिक्षकों की उतनी ही जरुरत है, जितनी अब के पहले हुआ करती थी? यह सवाल इसलिए आजकल हर तरफ पूछा जाने लगा है या बिना पूछे भी मौजूद दिख रहा है, क्योंकि कई एआई विशेषज्ञों ने ही नहीं, इस दौर के मशहूर अध्यापकों ने भी घोषणा कर दी है कि अगले कुछ सालों में पढ़ाने के लिए टीचर की जरूरत नहीं होगी। हाल के सालों में अपने पढ़ाने की शैली से जबर्दस्त लोकप्रियता हासिल करने वाले अध्यापक और एक मशहूर कोचिंग के संस्थापक विकास दिव्यकीर्ति ने अपने कई हालिया साक्षात्कारों में कहा है कि अब छात्रों को टीचर क्या पढ़ाएगा, उन्हें हर जरूरी सवाल का जवाब बड़ी सहजता से एआई से मिल रहा है और अगले कुछ सालों में और विश्वसनीय तरीके से मिलेगा।

असल में यह सब जितना सतही दिखता है, उतना है नहीं। हालांकि एआई के आने के तुरंत बाद यह घोषणा नहीं की गई कि एआई जिन कुछ पेशेवरों को सबसे पहले बेरोजगार करेगी, उनमें अध्यापक भी होंगे। लेकिन जब से गूगल सर्च धीरे-धीरे करीब 90 फीसदी तक विश्वसनीय हुआ और फिर चैटबॉट का धमाका हुआ, जो इंसानों की ही तरह व्यक्तिगत रूप से आपकी हर जिज्ञासा को शांत करने की कोशिश करता है और जो इसके नए वर्जन मार्केट में आए हैं, वो यह सब काम सिर्फ तथ्यात्मक या तकनीकी ढंग से सपाट अंदाज में नहीं कर रहे बल्कि इसमें इंसानों की तरह का एक खिलंदड़पना भी है। तब से यह भविष्यवाणी जरा तेज होने लगी है कि आने वाले दिनों में अध्यापकों की जरूरत नहीं रहेगी।

कम नहीं हुई शिक्षकों की महत्ता

यहां हमें यह भी समझना होगा कि असल में शिक्षक की भूमिका कभी भी केवल जानकारी देने वाले की नहीं रही, अगर सिर्फ इतनी ही होती तो जब कागज में किताबें छपने लगी थीं, रेडियो का आविष्कार हो गया और उसमें तमाम ज्ञान और शिक्षा के कार्यक्रम आने लगे, जब टीवी का स्वर्णयुग आया और विभिन्न विषयों पर दुनिया के एक से बढ़कर एक विशेषज्ञों के विचार सार्वजनिक होने लगे और हां, सबसे ज्यादा तब जब इंटरनेट अस्तित्व में आया और दुनियाभर के ज्ञान का एक व्यवस्थित स्रोत बन गया, तब भी टीचर्स की जरूरत में रत्तीभर कोई कमी नहीं आई बल्कि सच तो यह है कि दिलो-दिमाग में इसके अप्रासंगिक हो जाने का विचार तक नहीं आया। हालांकि निश्चित रूप से एआई के विस्तारित आविष्कार के रूप में अस्तित्व में आए लॉन्ग लैंग्वेज मॉडल्स अर्थात चैटबॉट ने पहली बार अध्यापकों की जरूरत पर सवालियां निशान लगाएं हैं। लेकिन यकीन मानिए, ये सवालिया निशान सिर्फ तात्कालिक या कहें शुरुआती चकाचौंध की उपज हैं।

मार्गदर्शन भी देता है अध्यापक

सच बात यही है कि जैसे-जैसे चैटबॉट का अनुभव पुराना होता जाएगा, हमें स्वतः यह पता चल जाएगा कि यह या एआई का कोई भी आविष्कार वास्तव में कभी अध्यापक की जगह नहीं ले सकता। क्योंकि अध्यापक केवल मशीनी अंदाज में छात्रों को ज्ञान भर नहीं देता। उसकी भूमिका इससे कहीं बड़ी होती है। अध्यापक ज्ञान देने से बढ़कर मार्गदर्शन करता है। छात्रों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनता है। उनमें मूल्यों की नींव डालता है और उनके एकीकृत व्यक्तित्व का संरक्षक बनता है। इसलिए यह जटिल भूमिका कोई भी वैज्ञानिक आविष्कार या कहें वह कितना ही महान और कितना ही क्रांतिकारी हो, नहीं कर सकता।

निभाता है बहुस्तरीय भूमिका

अध्यापक बहुस्तरीय भूमिका निभाते हैं। वे मशीन नहीं हैं। वे आपको मशीनी अंदाज में निर्मित नहीं करते बल्कि एक कलाकार की तरह अपनी समूची भावनात्मक संवेदना के साथ धीरे-धीरे गढ़ते हैं। इसलिए कोई मशीन कितनी ही इंटेलीजेंट क्यों न हो जाए, वह कभी भी अध्यापक की जगह नहीं ले सकती। दिल छू जाने वाले सवाल पूछना और जीवन बदल देने वाली प्रेरणा देना सिर्फ इंसान ही जानता है। यह कमाल सिर्फ इंसानी टीचर ही कर सकता है। इसलिए उन्नत से उन्नत चैटबॉट के युग में भी इंसानी अध्यापक न सिर्फ बने रहेंगे बल्कि पहले से और ज्यादा प्रासंगिक होंगे, इस जटिलता से निजात दिलाने के लिए। शिक्षक अब न सिर्फ सूचना ही देता है और न ही कोई कुशलता सिखाता है। वह सूचना और कुशलता सिखाने के साथ-साथ आप में प्रशिक्षण यानी वैल्यू और एथिक की भी नींव मजबूत करता है। क्योंकि एआई किसी भी सवाल का क्या और कैसे बता सकता है, लेकिन अधिकांश सवालों से 'क्यों' जवाब शिक्षक ही देगा। जीवन मूल्य, सहानुभूति, सहयोग और जिम्मेदारी जैसी चीजें कोई इंसान ही किसी दूसरे इंसान को सिखा सकता है या कोई इंसान ही दूसरे इंसान से सीखने के लिए प्रेरित हो सकता है। एआई छात्रों में पर्सनालिटी बिल्डिंग यानी व्यक्तित्व विकास का काम भी अच्छे ढंग से नहीं कर सकता। किसी भी छात्र को आत्मविश्वास, संवाद कौशल, टीम वर्क और नेतृत्व की क्षमता विकसित करने के लिए कोई जीता जागता अध्यापक ही प्रेरित कर सकता है।

अध्यापकों को स्वीकारनी होगी चुनौती

इस मामले में यह भी जरूरी है कि एआई की चुनौती से निपटने के लिए आज के अध्यापकों को पहले से ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी। अब सिर्फ किताब पढ़ा देना भर अध्यापक का काम नहीं रहा। अब विशेषकर इस चैटबॉट के युग में अध्यापकों की कई तरह की भूमिकाएं उभर कर सामने आती है। मसलन-अब अध्यापक को एक मेंटर के रूप में अपनी बड़ी भूमिका निभानी है। उसे छात्र को यह सिखाना है कि किसी भी जानकारी का उपयोग कैसे करना है, कौन सी जानकारी विश्वसनीय है और कौन सी भ्रामक है या हो सकती है, इसका फर्क सिखाना भी बहुत जरूरी है। *

कई रूपों में नाकाबिल है एआई

आज एआई की सबसे बड़ी ताकत उसकी स्पीड और स्केल को माना जाता है। कोई भी बच्चा जब चाहे एआई चैटबॉट से गणित का सवाल हल कर सकता है, किसी भी ऐतिहासिक घटना का सार या सारांश पा सकता है। विज्ञान की जटिल से जटिल थ्योरी को समझ सकता है। इस दृष्टि से एआई एक विशिष्ट सूचना शिक्षक तो है, लेकिन एआई या चैटबॉट किसी छात्र का दिल नहीं बदल सकता, उसे प्रोत्साहित नहीं कर सकता, उसे प्रभावित नहीं कर सकता और उसे प्रोत्साहित भी नहीं कर सकता। इस अर्थ में टीचर एआई या चैटबॉट के लिए खुद में एक बड़ी चुनौती है। क्योंकि शिक्षा का असली मकसद सिर्फ सवालों के जवाब पाना नहीं है बल्कि छात्रों में सोचने, समझने, चीजों को विश्लेषित करने की एक शैली या कुशलता को विकसित करना भी है। यह स्किल या कुशलता सिर्फ अध्यापक ही छात्रों को दे सकता है। इस मामले में एआई की क्षमता सीमित है। कोई भी मशीन किसी इंसान को किसी तरह का मूल्य नहीं सिखा सकती, न ही उसमें मूल्यबोध पैदा कर सकती है।

विशेषः शिक्षक दिवस, 5 सितंबर

{ विचारणीय / अलका सोनी }

अनेक वजहों से हमारे समाज में शिक्षकों की प्रतिष्ठा और उनके प्रति सम्मान घटता जा रहा है। उनके सामने अनेक चुनौतियां और मुश्किलें भी मौजूद हैं। ऐसे में उन सवालों पर विचार करना और उनके जवाब खोजना आज बहुत जरूरी हो गया है।

तभी फिर सम्मान-प्रतिष्ठा प्राप्त कर सकेंगे शिक्षक

प्राचीन काल से ही भारतीय संस्कृति में शिक्षक को सर्वोच्च स्थान पर प्रतिष्ठित किया जाता रहा है। लेकिन बड़ा सवाल है कि क्या आज के भारत में शिक्षक इस सम्मान का वास्तविक अनुभव कर पा रहे हैं? क्या यह पेशा युवाओं की पहली पसंद रह गया है? और सबसे महत्वपूर्ण सवाल जब हम विदेशों की तुलना में अपने शिक्षकों की स्थिति देखते हैं, तो क्या हमें आत्ममंथन की आवश्यकता नहीं है? आज तो ऐसी स्थिति हो गई है कि जब कोई बच्चा पढ़ना शुरू करता है, तब से ही अधिकांश बच्चों के माता-पिता और परिचित उसे इंजीनियर, डॉक्टर और न जाने कौन-कौन से पेशे को अपनाने का सपना देखने और दिखाने लगते हैं। तब शायद ही कोई यह कहता है कि वह बड़ा होकर एक शिक्षक बनेगा। यह बात कड़वी है, लेकिन सच है। भले ही हमारे देश में गुरु-शिष्य परंपरा रही हो। हम गुरु को भगवान से भी बड़ा मानते हो, लेकिन हमारे ही देश में आज शिक्षक के पेशे को कमतर आंका जाता है। लोग मजबूरी में शिक्षक के पेशे को अपनाते हैं। इसलिए यह जानना जरूरी है कि आज आखिर ऐसा क्यों हो रहा है?

शिक्षक का बदलता स्वरूपः प्राचीन भारत में गुरु का दर्जा बहुत महत्वपूर्ण माना जाता था। उन्हें सचमुच भगवान से ऊंचा स्थान दिया जाता था। गुरुकुल परंपरा में शिक्षक, शिष्य के संपूर्ण व्यक्तित्व निर्माण के लिए जिम्मेदार होते थे। उन्हें वेतन नहीं, बल्कि 'दक्षिणा' दी जाती थी। यानी सम्मान और कृतज्ञता का प्रतीक, साथ ही एक बार शिष्य के गुरुकुल में प्रवेश करने के बाद उस पर गुरु का अधिकार होता था। उनकी आज्ञा ही उसके लिए सर्वोपरि होती थी। इस क्रम में शिष्यों के माता-पिता भी उनके बीच नहीं आते थे।

कई दायित्वों का दबावः अगर आप प्राचीन भारत से तुलना करें तो साफ पता चलेगा कि आज अधिकतर शिक्षकों का कार्य केवल किताबों तक सीमित नहीं रह गया है। यानी कि वे शिक्षा देने के साथ-साथ मिड-डे मील की निगरानी से लेकर चुनाव ड्यूटी, जनगणना, टीकाकरण जागरूकता अभियान जैसे कई सरकारी कार्य में लगाए जा रहे हैं। इन सब कामों में उनकी भूमिका है, लेकिन उस अनुपात में उन्हें ना तो वह सम्मान मिलता है, न ही संसाधन। फलस्वरूप उनमें असंतोष या हताशा के भाव घर कर लेते हैं। इसके अलावा भी कई कारण हैं, जिनकी वजह से युवा इस पेशे को कम ही अपनाना चाहते हैं।

आर्थिक कारणः किसी भी पेशे को अपनाने की सबसे बड़ी वजह लोगों का आर्थिक रूप से सक्षम होना होता है। लेकिन शिक्षकों को समान शिक्षा कौशल वाले अन्य क्षेत्रों आई टी, फाइनेंस, मैनेजमेंट की तुलना में शुरुआती वेतन प्रायः कम मिलता है, जिससे अवसर-लागत अधिक लगती है। साथ ही कॉन्ट्रैक्ट/अस्थाई नियुक्तियां उनके काम करने के उत्साह को कम करती हैं। क्योंकि गेस्ट, आउटसोर्स या अल्पकालिक कॉन्ट्रैक्ट्स में वेतन और सुविधाएं सीमित रहती हैं।

भर्ती-प्रक्रिया की दिक्कतेंः अकसर सरकारी शिक्षक नियुक्ति की प्रक्रिया बहुत समय लेती है। इससे भर्ती में देरी, अनिश्चितता बनी रहती है। विज्ञापन से ज्वाइनिंग तक वर्षों लग जाते हैं। इससे ऊबकर युवा करियर के दूसरे विकल्प चुन लेते हैं। नियुक्ति की परीक्षाओं में पेपर लीक, बार-बार होते मुकदमे और परीक्षा रद्दीकरण इसकी परीक्षा विश्वसनीयता पर असर डालती है, जिससे समय और ऊर्जा की भारी बर्बादी होती है। पहले शिक्षक नियुक्ति की प्रक्रिया आसान और सुलझी हुई थी। लेकिन अब दिन पर दिन यह जटिल होती जा रही है।

कार्य-परिस्थितिः अधिकतर शिक्षकों पर बहुत दबाव रहता है। एक ही शिक्षक पर कई कक्षाएं और विषय पढ़ाने का दबाव भी रहता है, जिससे सभी छात्रों पर व्यक्तिगत ध्यान देना कठिन हो जाता है। कुछ प्राइवेट स्कूलों को छोड़कर अन्य स्कूलों में इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी जैसे कि लैब, लाइब्रेरी, स्मार्ट-क्लास, बिजली/नेट जैसी न्यूनतम सुविधाएं भी सीमित रूप में होती हैं।

कई स्तरों पर बदलाव की जरूरतः शिक्षकों का मुख्य कार्य पठन-पाठन से जुड़ा होना चाहिए। उन्हें गैर-शैक्षिक कामों से यथासंभव राहत देनी चाहिए। क्योंकि इन सब से उनकी कार्य क्षमता पर बुरा असर पड़ता है। इसलिए विद्यालय में केवल शिक्षण पर ध्यान देने का वातावरण बनाने की जरूरत है। ताकि युवाओं के मन में इस पेशे के प्रति सम्मान और समर्पण बना रहें। शिक्षा में सुधार के लिए छात्रों के साथ ही शिक्षकों और विद्यालयों की स्थिति में भी सुधार की आवश्यकता होती है। हर विद्यालय के इंफ्रास्ट्रक्चर में सुधार करने से शिक्षकों के ऊपर कम दबाव होगा। लैब, स्मार्ट क्लास, लाइब्रेरी, इंटरनेट जैसी सुविधाएं स्कूलों तक पहुंचनी जरूरी है। खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में। इनके अलावा आज समाज में शिक्षक के पेशे का सम्मान घटता जा रहा है। इस बात को समझना होगा कि लोग जिन भी कारणों से इस काम के प्रति उदासीन हो रहे हैं, उन कारणों को दूर करने की आवश्यकता है। अगर मीडिया और समाज में शिक्षकों को 'सोशल हीरोज' के रूप में मान्यता मिले, उन्हें पुरस्कार, सामुदायिक सम्मान मिले, तो स्थिति में बदलाव आ सकती है। *

{ कविता / हरीश कुमार 'अमित' }

कुछ ख्वाब

कुछ ख्वाब
जिंदगी के
रहते बस ख्वाब ही।
बीतती जाती जिंदगी
देखते-देखते
इन ख्वाबों को।
इंतजार इन ख्वाबों के
पूरा हो जाने का,
रहता बस इंतजार ही।
बढ़ती रहती
इन ख्वाबों के
पूरा न हो पाने की कसक
वक्त बीतने के साथ-साथ।
और आखिरकार
बन जाती एक दिन
खुद जिंदगी ही
एक बीता हुआ ख्वाब।

{ कहानी / संजीव ठाकुर }

विकास के नाम पर पेड़ों की बलि कितनी हृदय विदारक होती है, यह तो केवल पेड़ ही महसूस कर सकते हैं। हम इंसान तो केवल अपने स्वार्थ और आरामतलबी के चलते उन पर कुल्हाड़ी चलाते रहते हैं। काश हममें वह संवेदना जगती, कि हम इन पेड़ों की दारुण व्यथा-कथा सुन सकते, महसूस कर सकते!

मातम

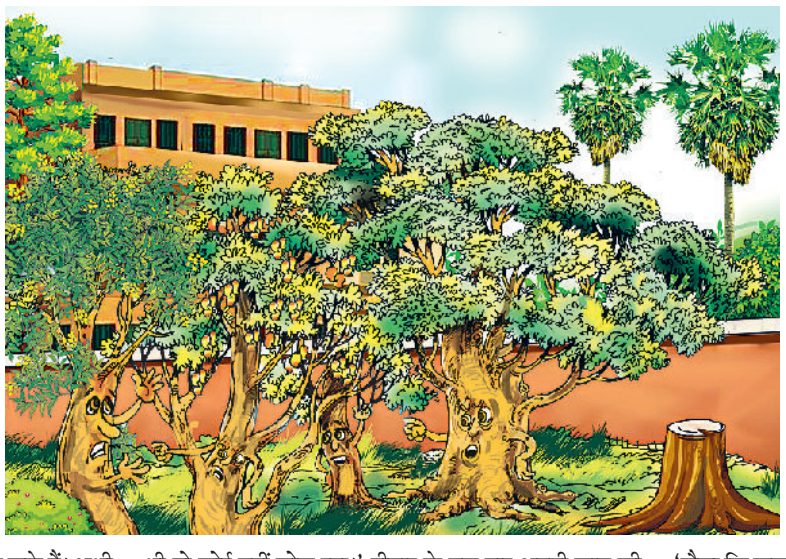

दीवार खिंच चुकी है। कैंपस के करीब पांच मीटर अंदर। दो सौ मीटर लंबाई में। इस दीवार के बाहर कैंपस की जो जमीन है, पेड़-पौधे हैं, कमरे हैं, चहारदीवारी है- अब सरकारी संपत्ति है। यह कैंपस भी वैसे सरकारी है- कम से कम एक सौ सत्तर वर्ष पुराना। हेरिटेज बिल्डिंग। बाहर खुला लॉन। साठ-सत्तर वर्ष पुराने पेड़ों से घिरा हुआ।

अब खिंची दीवार के बाहर की समस्त भूमि सड़क का हिस्सा बनने जा रही है। पेड़ कट कर कुछ सरकारी गोदाम और कुछ चोरी-चुपके मंडियों में पहुंचने लगे हैं।

सीधे खड़े नीम और सेमल के पेड़ की बलि ली जा चुकी है। कल बट-बाबा की बारी है। कयामत की रात है। आस-पास खड़े सभी पेड़ गमगीन हैं- जो दीवार के इस पार हैं वे भी, उस पार हैं वे भी। इस पार वर्षों से टेढ़ा खड़ा नीम सीधे खड़े नीम के जाने से उदास है। कहता है, 'मुझे ही काट ले जाते? मैं लंगड़ा पेड़, न जाने कब गिर जाऊं? मेरे जाने से कुछ खास फर्क नहीं पड़ता। वह तो तीस वर्षों से खड़ा था, वातावरण की सारी गंदगी पीता था और स्वच्छ हवा लोगों को देता था।'

सेमल का भाई भी अपने बड़े भाई के जाने से दुखी है। 'कल नहीं तो परसों मेरी भी बारी आ ही जानी है।' वह सोच रहा है। दीवार के इस पार खड़ा ताड़ का पेड़ बोल पड़ा, 'अब देखो, मैं बच गया। मैं तो लोगों को कुछ खास फायदा नहीं पहुंचा पाता, लेकिन बट-बाबा के बारे में सोचो। साठ साल से धूप, वर्षा, ठंड की परवाह किए बिना डटे हुए हैं। कितनी तो गर्मी अपने अंदर सोख चुके हैं। अभी भी गर्मी सोखने की इनकी ताकत का कोई जोड़ नहीं है। लेकिन मूर्ख मनुष्य कुछ सोचने वाले ही नहीं हैं।'

इस पर बट-बाबा बोले, 'मेरी चिंता मत करो दोस्तों! मैं तो अपने बेटे के बारे में चिंतित हूं। उसने अभी दुनिया ही कितनी देखी है? ...दो-चार दिनों में वह भी मशीनी दानव के द्वारा धराशाई कर दिया जाएगा।'

'उस नए-नए जवान हुए पीपल और आम के पेड़ के बारे में भी तो कोई नहीं सोच रहा।' दीवार के उस पार अपनी जान की खैर मनाता जामुन का पेड़ बोल पड़ा।

'अरे! मनुष्य अपने विनाश की पटकथा खुद लिख रहा है। हमें क्या सोचना?' पीपल बोल पड़ा, 'मैं अभी कम से कम पचास साल यहां खड़ा रहता और मनुष्य को बचाने में अपना योगदान देता। लेकिन...! कोई बात नहीं।'

आम के पेड़ ने गुस्सा होते हुए कहा, 'मैं साफ हवा के साथ-साथ उन गधों को मीठे फल भी देता हूं। फिर भी मेरी चिंता उन्हें नहीं है। मैंने यहीं इसी कैंपस में किसी को कहते हुए सुना है, 'अगर पेड़ों को नहीं काटा जाएगा तो विकास कैसे होगा?'

'विकास क्या होता है दादा?' टेढ़े नीम ने पूछा।

पीपल के पेड़ ने बुजुर्ग की भूमिका ओढ़ते हुए समझाया, 'हमें काट कर, गड्ढों को ईंट, पत्थर से पाटकर, बुल्डोजर चलाकर, ऊपर से कोलतार की चादर बिछाकर जो चमचमाती सड़क बनती है, उसे विकास कहते हैं बेटा! यह विकास पूरे देश में होता रहता है। पहाड़ों पर होता रहता है। जंगलों को अंधाधुंध काटकर चौड़ी-चौड़ी सड़कें बनाई जाती हैं। दिल्ली-मुंबई-चेन्नई में रहने वाले लोगों की गाड़ियां मैदान से लेकर पहाड़ तक फर्राटे भरती रहती हैं। वे लोग सरकार की तारीफ में कहते हैं, 'देखो, यह है विकास।'

'लेकिन मैंने तो यहीं एक बार दो लोगों को बात करते सुना था कि पेड़ों की अंधाधुंध कटाई से पहाड़ों के पर्यावरण को बहुत नुकसान पहुंचता है।'

'पर्यावरण की चिंता किसे है बेटे?' बट-बाबा ने दुखी स्वर में कहा, 'मैं तो पिछले साठ सालों से देख-सुन रहा हूं। कई लोगों को इसके लिए अभियान चलाते हुए भी देखा है। लेकिन होता-हवाता कुछ नहीं है। अंततः सरकार ही जीतती है। कहीं पेड़ों, पहाड़ों को काटकर सड़क बना देती है, बड़े-बड़े होटल बनवा देती है, कहीं बीसियों गांवों को सदा के लिए पानी में डुबोकर बांध बनवा देती है।'

'लेकिन यह सब भी तो जरूरी ही होता होगा, 'जैसा कि कुछ लोग कहते हैं?' सेमल का अधेड़ पेड़ बोल पड़ा।

पीपल को गुस्सा आ गया, 'होता है बाबू, होता है। तभी तो वे पेड़, पहाड़, नदी, तालाब वगैरह की परवाह नहीं करते। जहां कुछ बनाना हो, बना लेते हैं। लेकिन जान लो, मैं जाते-जाते कह रहा हूं- यह विकास ही उनके विनाश की वजह होने जा रहा है।'

पेड़ों के बीच चुप्पी छा गई। उनके पत्तों ने हिलना-डुलना बंद कर दिया। वे इतने गमगीन हो गए मानो मनुष्य का विनाश होने पर मातम मनाने बैठे हों। *

{ पुस्तक चर्चा / दिनेश मालवीय 'अश्क' }

भावप्रवण कविताओं का पठनीय संग्रह

कहते हैं, हर व्यक्ति में एक कवि छिपा होता है। काव्यात्मक अनुभूतियां होने के बावजूद हर किसी में उन्हें शब्दों में अभिव्यक्त करने की योग्यता नहीं होती। जिनमें यह क्षमता होती है, वे औपचारिक रूप से कवि बन जाते हैं। जनसंपर्क विभाग में अपर संचालक पद से सेवानिवृत्त सुरेश गुप्ता का प्रथम काव्य संग्रह 'असमय का अंधेरा' हाल में प्रकाशित हुआ है। इस संग्रह में उनकी 89 कविताएं शामिल हैं। मुक्त छंद में रचित सभी कविताएं छोटी, लेकिन गहरे भाव और जीवन अनुभव से परिपूर्ण हैं। किताब की पहली कविता 'असमय का अंधेरा' पढ़ते ही कवि की भाव प्रवणता और सशक्त अभिव्यक्ति का संकेत मिल जाता है। इसमें वे कहते हैं, 'अंधेरे से किसी को/भला क्या ऐतराज हो सकता है/रात लिखी ही है/अंधेरे के नाम/जैसे दोपहर, शाम दिन के नाम/पर बहुत कचोटता है/यह असमय का/दिन का अंधेरा।' एक अन्य कविता में वह गहरा जीवन दर्शन कुछ ऐसे बयां करते हैं, 'कुछ पा लिया/कुछ छूट गया/जो छूटा/उसमें/वह रास्ता भी रहा/जो तुम तक/जाता था।' कई कविताओं के गहन अर्थ को समझने के लिए दो-तीन बार भी पढ़ना पड़ सकता है। बहरहाल, इसमें संदेह नहीं कि इन कविताओं में कवि के जीवन संघर्ष, कड़वे-मीठे अनुभव बहुत सहजता से अभिव्यक्त हुए हैं। *

पुस्तकः असमय का अंधेरा, **लेखकः** सुरेश गुप्ता, **मूल्यः** 100 रुपए, **प्रकाशकः** प्रथमेश प्रिंटर्स, भोपाल

हरिभूमि
रविवार भारती
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 31 अगस्त 2025

टूरिस्ट डेस्टिनेशंस / समीर चौधरी

बहुत से पर्यटक खूबसूरत समुद्र तट देखने के लिए विदेशों का रुख करते हैं। जबकि अपने ही देश में एक से बढ़कर एक मनमोहक समुद्र तटीय शहर मौजूद हैं। इन शहरों में समुद्रतटीय सौंदर्य के अलावा और भी बहुत कुछ दर्शनीय है। यहां आपको ऐसे ही अमेजिंग सी-बीचेज वाले शहरों के बारे में बता रहे हैं।

अपनी सुंदरता से मोहित कर देंगे देश के ये समुद्र-तटीय शहर

बीच लवर्स का पसंदीदा वर्कला

केरल में अरब सागर को स्पर्श करता हुआ वर्कला शहर, बीच लवर्स के लिए विशिष्ट जगह माना जाता है। खासतौर पर इसका पापनासम बीच बहुत ही पवित्र स्थल माना जाता है। इससे जुड़ी कई आध्यात्मिक मान्यताएं हैं। चट्टानों के आस-पास सुंदर कैफे, दुकानें और योगा केंद्र, आध्यात्मिक स्पर्श के साथ प्राकृतिक सौंदर्य की तलाश करने वाले पर्यटकों के लिए आदर्श जगह है, जहां तटीय आकर्षण के साथ शांति भी मिलती है। *

पुर्तगाली विरासत का झरोखा दीव

भारत के पश्चिमी तट पर स्थित दीव, छोटा सा सुंदर द्वीपीय शहर है, जहां पुर्तगाली विरासत के दर्शन तो होते ही हैं, यहां कई मनोरम समुद्र तट भी हैं। यहां के प्रमुख पर्यटन आकर्षणों में शामिल हैं दीव फोर्ट, नैदा गुफाएं और सेंट पॉल चर्च। इनके अलावा जब आप इस शहर में घूमने जाएं नागोया बीच और घोघला बीच को देखना ना भूलें। यहां पर्यटक वाटर स्पोर्ट्स का भी खूब आनंद ले सकते हैं। *

कोलोनियल अट्रैक्शन का जादू पुडुचेरी

पुडुचेरी को 'फ्रेंच रिवेरा ऑफ द ईस्ट' के नाम से भी जाना जाता है। यहां आपको कोलोनियल अट्रैक्शन और मॉडर्न इंफ्रास्ट्रक्चर का गजब का संगम देखने को मिलेगा। पेड़ों की लंबी-लंबी कतारों वाले बुलेवार्ड और मन को लुभाने वाले गोल्डन बीच, ऐसा जादुई आकर्षण उत्पन्न करते हैं, लगता है जैसे नेचर ने फुर्सत में इसे पिक्चराइज किया है। यहां पर्यटक फ्रेंच क्वार्टर्स में चहलकदमी कर सकते हैं, कैफेटेरिया में सुकून से कॉफी का आनंद ले सकते हैं। सबसे खास आकर्षण यहां का पैराडाइस बीच है, जहां पर डूबते हुए सूरज को देखकर आप मंत्रमुग्ध हो जाएंगे। औरोविले और श्री अरबिंदो आश्रम का शांत वातावरण आपको अनोखी आध्यात्मिक शांति प्रदान करेगा। *

अनोखा-सुंदर समुद्र तट है कच्छ

गुजरात के कच्छ क्षेत्र में मांडवी गजब का आकर्षक स्थल है, जो अपने मांडवी सी-बीच और 16वीं शताब्दी में निर्मित विजय विलास पैलेस के लिए जाना जाता है। शांति से समुद्र तट के पास समय गुजारने की चाहत वाले पर्यटकों के लिए यह शहर बिल्कुल परफेक्ट है। यहां आप लकड़ी के परंपरागत धो (पाल वाली नौका) को करीब से देख सकते हैं, जो इस क्षेत्र की विरासत का प्रतीक है। *

कई अट्रैक्टिव बीचेज वाला गोकरण

एक समय तक कर्नाटक के समुद्रतटीय गोकरण के बारे में कम पर्यटक ही जानते थे। लेकिन हाल के वर्षों में यह तटीय शहर गोवा के समान ही पर्यटकों के बीच काफी पॉपुलर हो रहा है। यहां आपको वर्जिन बीच के अलावा ओम बीच और कुदले बीच देखने को मिलेंगे। ट्रैकिंग के लिए भी गोकरण परफेक्ट शहर है। यहां अनेक योगा रिट्रीट्स भी मौजूद हैं, जिनसे आध्यात्मिकता का अनुभव लिया जा सकता है। *

सबसे दक्षिणी समुद्री किनारा कन्याकुमारी

भारत का सबसे दक्षिणी सिरा कन्याकुमारी है, जहां अरब सागर, बंगाल की खाड़ी और हिंद महासागर आपस में मिलते हैं। यह शहर सूरज के उगने और डूबने के अद्भुत नजारों और समुद्रों के संगम के लिए विख्यात है। हालांकि यहां देखने को और भी बहुत कुछ है, लेकिन पर्यटक विशेष रूप से विवेकानंद रॉक मेमोरियल और थिरुवल्लुवर मूर्ति के दर्शन करने के लिए आते हैं। *

सक्सेस के लिए बहुत जरूरी है क्लीयर टार्गेट

अगर मेहनत किए जाने की दिशा ही स्पष्ट न हो, तो फिर चाहे आप कितना ही कुछ कर लें, कामयाबी नहीं मिल सकती। करियर में सक्सेस पाने के लिए क्लीयर टार्गेट होना क्यों जरूरी है, जानिए।

सेल्फ इंप्रूवमेंट

कीर्तिशेखर

जीवन में सफलता पाने की दौड़ में कई लोग दिन रात मेहनत करते हैं, लेकिन हर मेहनत करने वाला अपनी मंजिल पा ही ले, यह जरूरी नहीं है। कारण सिर्फ इतना है कि कई लोग मेहनत तो करते हैं, लेकिन उनकी मेहनत की कोई स्पष्ट दिशा नहीं होती। जबकि करियर में सफलता पाने के लिए लक्ष्य की स्पष्टता बहुत जरूरी होती है।

इसलिए जरूरी है लक्ष्यः लक्ष्य हर पल याद कराए रखता है कि आपको किस ओर बढ़ना है, भटकना नहीं है। इस तरह देखें तो लक्ष्य स्पष्ट दिशा प्रदान करता है। अगर आप एक लक्ष्य के साथ आगे बढ़ते हैं तो चाहे आप जितनी मेहनत करते हों, उन लोगों से हमेशा आगे रहेंगे, जो बिना किसी स्पष्ट लक्ष्य के भटकते रहते हैं, फिर चाहे वो इस दौरान कितनी ही हाड़ तोड़ मेहनत क्यों न कर लें। लक्ष्य केवल हमें उत्साहित ही नहीं रखता बल्कि लगातार कठिनाइयों के समय भी लक्ष्य की प्रेरणा हमें अपनी दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती रहती है।

अगर हमारे सामने एक लक्ष्य है तो हम एक निश्चित समय के बाद इस बात का वैज्ञानिक आकलन कर सकते हैं कि आखिर हम अपने लक्ष्य की ओर कितना आगे बढ़े हैं? बढ़े भी हैं या वहीं के वहीं खड़े हैं।

अनिश्चित लक्ष्य से होता है भटकावः सुरेश के उदाहरण से इसे और अच्छी तरह समझ सकते हैं। वह 12वीं पास करने के बाद से ही सिविल सर्विसेस में जाने का सपना देखता था। लेकिन उसका यह लक्ष्य स्पष्ट नहीं था। उसने कुछ दिन तक सिविल सर्विसेस परीक्षा की तैयारी की और फिर किसी ने कहा एमबीए का स्कोप भी अच्छा है, अतः वह एमबीए में लग गया। जब एमबीए क्लीयर नहीं हुआ, तो किसी ने कहा व्यावहारिक यही है कि पहले एसएससी का एग्जाम क्लीयर कर लो, इसके बाद सिविल सर्विसेस बेहतर रहेगा। अतः वह एसएससी की तैयारी में लग गया। लेकिन पांच साल बीत गए उसे किसी क्षेत्र में भी कोई सफलता नहीं मिली। न वो आईएएस बन सका, न एमबीए कर सका और यहां तक कि एसएससी भी क्लीयर नहीं कर पाया। जब पांच साल बीत गए उसे बड़ा पछतावा हुआ और जब उसने दृढ़ निश्चय कर लिया कि एक साल वह अपना स्पष्ट टाइम टेबल बनाकर यूपीएससी की अच्छी तरह से तैयारी करेगा। अंततः वह तीसरे प्रयास में सचमुच सफल हो गया। इस उदाहरण का मोरल संदेश यही है कि अगर सफलता चाहते हैं, तो अपने लक्ष्य को बिल्कुल स्पष्ट रखें, लक्ष्य से जरा भी इधर या उधर न भटकें। ऐसा करेंगे तो सफलता हर हाल में मिलेगी।

लक्ष्य से आसान हो जाती है राहः सुरेश से ही मिलती-जुलती कहानी वनिता की है। वनिता एक मल्टीनेशनल कंपनी में काम करती थी और चाहती थी कि वह अगले कुछ सालों में कंपनी की मैनेजर बन जाए। लेकिन कितने समय के भीतर कंपनी का मैनेजर बनना है या मैनेजर बनने के लिए क्या-क्या करना है, ऐसा कोई भी खाका उसके पास नहीं था। इसलिए चार साल गुजर गए। लेकिन मैनेजर नहीं बन सकी। एक दिन उसने अपने सीनियर से सलाह ली और उनके सामने अपने सपने को खोलकर रख दिया। सीनियर हमदर्द थे, तो उन्होंने ईमानदारी से समझाया कि प्रमोशन पाने के लिए पहले अपने आपमें कई तरह के स्किल्स डेवलप करने होंगे। क्योंकि किसी भी कंपनी के मैनेजर को विभिन्न प्रोजेक्ट्स में सफल होने के लिए इस तरह के स्किल्स की जरूरत होती है। वनिता को समझ में बात आ गई, उसने डिजिटल मार्केटिंग का सर्टिफिकेट कोर्स किया, टीम लीड प्रोजेक्ट्स लिए और खुद को एक दिशा देकर तैयार किया। आज वनिता अपनी कंपनी में मैनेजर है। इस उदाहरण की सीख है कि अगर कुछ खास बनना चाहते हैं तो पहले ही दिन से एक स्पष्ट लक्ष्य रखना जरूरी है।

लब्बोलुआब यह कि जो भी अपनी जिंदगी में स्पष्ट लक्ष्य बनाता है, वह हर हाल में सफल होता है। इसलिए अगर आप भी अपने करियर में कामयाबी चाहते हैं, तो अपना लक्ष्य स्पष्ट बनाएं और बनाएं ही नहीं बल्कि उस पर अमल भी करें। *

फैशन ट्रेंड

प्रतिमा अरोड़ा

नए फैशन ट्रेंड के अनुसार पिछले कुछ समय से यंगस्टर्स की पसंद में कई बदलाव देखने को मिल रहे हैं। खासतौर पर शर्ट्स में नए-नए एक्सपेरिमेंट्स युवाओं को खूब भा रहे हैं। इस बदलते फैशन ट्रेंड पर एक नजर।

यंगस्टर्स की शर्ट्स में दिख रहे नए फैशन मूड्स

हाल के महीनों में यंग मेन की शर्ट्स में जो फैशनेबल बदलाव दिख रहे हैं, वास्तव में फैशन के नए मूड्स को दर्शाते हैं, जिनमें आजकल के युवा सहज, बोल्ड और बेहद स्टाइलिश नजर आते हैं। इनके बारे में आप भी जरूर जानना चाहेंगे।

ओवरसाइज्ड-रिलैक्स्ड फिटः यह बेहद कंफर्टेबल और लूज शर्ट होती है। साल 2025 की गर्मियों में इसका जलवा खूब देखने को मिला है। मार्केट में इसकी आमद और उपलब्धता देखकर यह एहसास किया जा सकता है कि इस त्योहारी मौसम में यह जलवा पूरी तरह से बरकरार रहेगा। दरअसल, ये शर्ट्स युवाओं के लिए बेहद कंफर्टेबल होती हैं। इनमें ओवरसाइज्ड कट, ड्राफ्ट शोल्डर और फ्री फ्लोइंग स्लिप इन दिनों खूब ट्रेंड में हैं। हालांकि यह नया फैशन ट्रेंड नहीं है, अमेरिका में 60 और 70 के दशक में यह ट्रेंड रहा है। लेकिन फिर बॉडी फिट शर्ट्स के चलन के कारण यह ट्रेंड गायब हो गया था। लेकिन इन दिनों टेलर्ड ट्राउजर्स के साथ लूज शर्ट्स का ट्रेंड फिर से युवाओं के सिर चढ़कर बोल रहा है। इससे इन्हें निःसंदेह कूल लुक मिलता है।

ओवरसाइज्ड शर्ट

सैज ग्रीन शर्ट

फ्लेमिंगो पिंक शर्ट

डिजिटल डिजाइन शर्ट

एआई इंस्पायर्ड प्रिंट्सः यह एआई का दौर है और एआई का प्रभाव फैशन ट्रेंड्स पर भी देखने को मिल रहा है। एक समय था, जब बड़े-बड़े प्रिंट्स वाली शर्ट का ट्रेंड था। लेकिन अब माइक्रो प्रिंट, ब्रश आर्ट पैटर्न और एआई जेनरेटेड डिजिटल डिजाइन वाली शर्ट्स यंगस्टर्स के बीच ज्यादा लोकप्रिय हैं। इसके साथ ही ग्लोबल ट्रेंड में रोज ग्राफिक और ज्योमेट्रिकल प्रिंट भी खूब देखने को मिल रहे हैं।

अर्थी कलर्स और म्यूटेड टोनः ये काफी नेचुरल दिखने वाले कलर होते हैं। इनमें रस्ट आयरन, सेज ग्रीन और सैंड स्टोन जैसे कलर कॉम्बिनेशन पूरी दुनिया में पसंद किए जा रहे हैं। इन कलर्स के शर्ट्स किसी भी आउटफिट के साथ इंप्रेसिव लुक देते हैं।

बोल्ड कलर-टेक्नो प्रिंटः हाल के दिनों में युवाओं के शर्ट्स के कलर और प्रिंट बहुत बोल्ड भी हो गए हैं। जैसे फ्लेमिंगो पिंक, टेंगरिंग यलो आदि। दरअसल, ये ब्राइट प्रिंट भी एआई जनरेटेड प्रिंट है। यह ग्लैमरस, टेक्नोआर्टिस्टिक ट्रेंड को दर्शाते हैं। खादी, जामदानी, ऑर्गेनिक कॉटन, बैंबू फैब्रिक आदि में भी ये बोल्ड कलर और प्रिंट, सस्टेनेबिलिटी के साथ कल्चर फ्यूजन के साथ देखे जा रहे हैं।

टेक्स्चर और फैब्रिकः आजकल यंगस्टर्स अपनी शर्ट्स के लिए सिर्फ कॉटन ही नहीं लिनेन, स्लब कॉटन और काड्रो जैसे फैब्रिक्स को भी तरजीह दे रहे हैं। ये फैब्रिक्स कंफर्टेबल तो होते ही हैं, साथ ही इन फैब्रिक से बने शर्ट साधारण लुक में भी एक खास अट्रैक्शन एड करते हैं।

हाइब्रिड वर्जन भी है ट्रेंड मेंः अब युवाओं की शर्ट्स सिर्फ फॉर्मल या कैजुअल भर नहीं हैं। इनका एक इंटरमीडिएट वर्जन भी आ चुका है, जो न पूरी तरह से फॉर्मल होता है और न ही पूरी तरह से कैजुअल होता है। चाहें तो आप इसे हाइब्रिड वर्जन या हाइब्रिड स्टाइल भी कह सकते हैं। मैंडरिन कॉलर शर्ट्स और स्पोर्टी एलीमेंट के साथ-साथ फैशन डिटेल वाले हाइब्रिड डिजाइन युवाओं को खूब भा रहे हैं।

मल्टी पॉकेट्स वाली शर्ट्सः आजकल कई सारी पॉकेट्स वाली शर्ट भी यंगस्टर्स के बीच काफी पॉपुलर हैं। कुछ शर्ट्स में तो पांच हाई पॉकेट और टेक-स्टिच सुविधाएं भी रहती हैं। अब के पहले शर्ट्स में या तो कोई जेब नहीं होती थी या एक-दो जेब होती थीं। दो से ज्यादा जेबें शर्ट्स में नहीं होती थीं। कुछ कोट शर्ट्स जरूर ऐसी होती हैं, विशेषकर मेडिकल प्रोफेशनल्स के ड्रेसअप चलन में दिखती हैं, जिनमें दो से ज्यादा और आमतौर पर चार पॉकेट्स देखी जाती हैं। लेकिन ऐसी शर्ट्स आम लोग नहीं पहनते थे। आमतौर पर अस्पतालों में नर्सें या टेक्निकल साइट्स में इंजीनियर और दूसरे कारीगर पहने दिखते हैं। कॉलेज गोइंग यंगस्टर्स में ऐसी शर्ट्स पहले नहीं दिखती थीं, लेकिन अब ऐसी शर्ट्स पहनकर यंगस्टर्स पार्टीज तक में भी दिख रहे हैं।

कुल मिलाकर हाल के दिनों में युवाओं की शर्ट्स में बहुत सारे एक्सपेरिमेंट्स किए जा रहे हैं और ये एक्सपेरिमेंट्स आज के युवाओं को खूब भा भी रहे हैं। *

सिने-जगत

डी.जे. नंदन

हिंदी फिल्मों की एक सदी से अधिक की यात्रा में अनेक ऐसे किरदार रचे गए, जिसने दर्शकों के दिलों पर अपनी अमिट छाप छोड़ी। इनमें से कई किरदारों की लोकप्रियता आज भी कायम है। बॉलीवुड के ऐसे पांच यादगार किरदारों पर एक नजर।

भुलाए नहीं भूलते बॉलीवुड के ये पांच यादगार किरदार

राज की भूमिका में राज कपूर

विजय की भूमिका में अमिताभ बच्चन

राज के किरदार में शाहरुख खान

भारतीय सिनेमा ने करीब सवा सौ साल की यात्रा पूरी कर ली है। इस लंबी यात्रा में भारतीय सिनेमा विशेषकर बॉलीवुड ने अनगिनत यादगार किरदार रचे हैं। कुछ किरदार पर्दे में प्रकट होते ही दर्शकों के दिल में कुछ समय के लिए जगह तो बना लेते हैं। लेकिन वक्त गुजरने के साथ इनकी छाप फीकी पड़ने लगती है। जबकि कुछ कालजयी किरदार ऐसे भी हुए हैं, जो दशकों से अलग-अलग पीढ़ियों के दिल में पूरी तरह से छाए हुए हैं और शायद अगली कई पीढ़ियों तक ऐसे ही बने रहेंगे। हालांकि तकनीकी तौर पर अभी ऐसे किरदारों ने एक शताब्दी तो नहीं पूरी की, लेकिन कुछ किरदारों की दर्शकों में जिस तरह की तरोताजगी है, वे आज भी जिस तरह रोमांचित और बेचैन करते हैं, उससे यह अतिश्योक्ति नहीं लगती कि एक सदी बाद भी वे इसी तरह सिने दर्शकों के दिल में अपनी जगह बनाए रखेंगे। इनके बारे में आप भी जरूर जानना चाहेंगे।

राज के किरदार में राज कपूरः सन 1955 में राज कपूर की फिल्म 'श्री 420' आई थी। इस फिल्म के किरदार राज को दर्शकों का भरपूर प्यार मिला था। इस फिल्म का गीत 'मेरा जूता है जापानी, ये पतलून इंग्लिश्तानी, सर पे लाल टोपी रूसी, फिर भी दिल है हिंदुस्तानी' उन दिनों खूब लोकप्रिय हुआ था। आज भी यह गीत सुना और गाया-गुनगुनाया जाता है। 'श्री 420' के राज का किरदार न केवल इस गीत के साथ भारतीय समाज की अभिव्यक्ति में तरोताजा है बल्कि बड़े-बड़े संदर्भों वाली बतकहियों या विमर्शों में भी लोग अपनी खांटी भारतीयता का एहसास कराने के लिए गीत की ये पंक्तियां गुनगुना देते हैं। फिल्म में राज एक सीधा-सादा, गरीब युवक है, जो बॉम्बे जैसे बड़े शहर में रोजी-रोटी की तलाश में आता है। लेकिन बॉम्बे की चमक-दमक और तेज रफ्तार जिंदगी में उसकी सादगी, मासूमियत और नेकदिली फिट नहीं हो पाती। लेकिन अंत में तमाम चालाकियों से भरे समाज में उसके सच्चे दिल और ईमान की यह खूबियां ही सबका दिल जीतती हैं। यह फिल्म, इसके गीत और फिल्म का किरदार राज दशकों से दर्शकों का दिल जीतता आया है और आगे भी यह सिलसिला जारी रहेगा।

गब्बर सिंह के किरदार में अमजद खानः 'शोले' फिल्म में अमजद खान द्वारा निभाया गया डाकू गब्बर सिंह का किरदार अपने आप में एक मील का पत्थर है। 'कितने आदमी थे?', 'जो डर गया, समझो मर गया', फिल्म में गब्बर सिंह द्वारा बोले गए ये डायलॉग्स सिर्फ सिने संवाद नहीं हैं बल्कि लोकभाषा के मुहावरे की तरह बन गए हैं, जो आज भी लोगों द्वारा सामान्य बातचीत में इस्तेमाल किए जाते हैं। 1975 में प्रदर्शित हुई फिल्म 'शोले' ने कामयाबी का कीर्तिमान तो स्थापित किया ही, साथ ही अमजद खान द्वारा निभाया गया गब्बर सिंह का किरदार भी दर्शकों के मन में अमर हो गया।

गब्बर सिंह के रोल में अमजद खान

विजय के रोल में अमिताभ बच्चनः फिल्म 'दीवार' में अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाता अमिताभ बच्चन का यह एंग्री यंगमैन किरदार विजय हमेशा-हमेशा के लिए फिल्मी इतिहास के फ्रेम में फ्रीज हो चुका है। याद कीजिए, फिल्म में विजय यानी अमिताभ बच्चन द्वारा बोला गया सुपरहिट डायलॉग, 'आज मेरे पास बंगला है, गाड़ी है, बैंक बैलेंस है, तुम्हारे पास क्या है?' आज भी यह डायलॉग हर सिने प्रेमी को बखूबी याद है। फिल्म ने कमाई और कामयाबी का कीर्तिमान तो स्थापित किया ही था। इसने भारतीय समाज को आईना दिखाने के लिए एक ऐसा अमर किरदार, ऐसे अमर डायलॉग्स दिए, जो आज भी लोगों की जुबान पर चढ़ा हुआ है। विजय का किरदार हर उस आम आदमी का प्रतिनिधित्व करता है, जो मेहनत करता है, कोशिश करता है, व्यवस्था से हार जाता है और अंततः सिस्टम के खिलाफ बगावत कर बैठता है।

राज के किरदार में शाहरुखः 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' का राज मल्होत्रा यानी शाहरुख खान अपने इस किरदार की बदौलत हमेशा-हमेशा के लिए रोमांस का पर्याय बन चुके हैं। 'डीडीएलजे' ने राज को केवल एक प्रेमी नायक नहीं बनाया बल्कि संस्कार और आधुनिकता के संगम का चेहरा भी दिया। फिल्म में राज मल्होत्रा की मुस्कान, उसकी शरारतें और सिमरन के लिए उसका धैर्य सबने दर्शकों को मोह लिया था। यह किरदार युवा पीढ़ी के बीच आज भी उतना ही लोकप्रिय है, जितना फिल्म रिलीज के समय हुआ था।

मुन्ना भाई के रोल में संजय दत्तः मुन्ना भाई सीरीज की फिल्मों में संजय दत्त द्वारा निभाया गया मुन्ना का किरदार, उसके डायलॉग्स, 'जादू की झप्पी', गांधीगिरी

मुन्ना भाई के किरदार में संजय दत्त

सबकुछ आज भी उतना ही रेलिवेंट है, जितना फिल्म की रिलीज के वक्त था। फिल्म में मुन्ना का टपोरी किरदार अपने बुनियादी इंसानी गुणों के कारण बड़े पर्दे से निकल कर समाज की आत्मा में जा बसा। फिल्म में मुन्ना भाई का किरदार दर्शकों को हंसाते-हंसाते, मानवता और संवेदना का सुंदर पाठ पढ़ाता है। चाहे राज हो, गब्बर सिंह हो, विजय हो, राज मल्होत्रा हो या फिर मुन्ना भाई हो। ये सभी सिर्फ फिल्मी किरदार नहीं, ये भारतीय जनमानस में गहरी पैठ बना चुके हैं। *